हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

हरिभूमि ने इसका खुलासा चार साल पहले 12 दिसंबर 2021 को किया था

अजायबघर बना गाजीनगर का 382 नंबर का मकान

दो मंजिल में 350 वोटर

एक बूथ में 990 वोटर, तीन मकानों में ही 600 का ठिकाना

हरिभूमि पड़ताल

अफसरों के मुंह सिले

जिला निर्वाचन आयोग के ईआरओ ने जांच दल गठित कर कराई जांच एक-एक वोटर की पहचान

किसी जगह 22 तो कहीं 88 मतदाताओं का एक ठिकाना जनगणना में एड्रेस लिखने में हुई गलती

गाजीनगर वोटर लिस्ट बड़ा खुलासा, जनगणना के दौरान घर नहीं थे इसलिए सैकड़ों वोटरों ने दे दिया एक ही पता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

रायपुर जिला अंतर्गत बिरगांव नगर निगम क्षेत्र के गाजीनगर की मतदाता सूची में मिली गड़बड़ी की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। जिला निर्वाचन आयोग द्वारा जांच दल गठित कर इसकी जांच कराई गई है, जिससे पता चला कि है कि पूर्व में हुई जनगणना के दौरान गाजी नगर के सैकड़ों वोटरों के पास खुद का घर ▶▶ शेष पेज 6 पर

95 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं को ढूंढ निकाला

इस क्षेत्र के ईआरओ एवं एसडीएम नंदकुमार चौबे ने बताया कि एसआईआर के दौरान गाजी नगर में कुछ मकानों में बड़ी संख्या में वोटरों का एक ही पता दर्ज होना पाया है। इसके तहत गाजी नगर में इन वोटरों का पता लगाने के लिए ▶▶ शेष पेज 6 पर

बीएलओ ने हरिभूमि की मौजूदगी में की एक परिवार के तीन वोटरों की पहचान

गाजी नगर में बीएलओ घर-घर जाकर वोटरों की पहचान कर रहे हैं। इस दौरान बीएलओ मंजू देवांगन एवं वंदना पाठक ने हरिभूमि की टीम की मौजूदगी में एक घर में जाकर एक ही परिवार के तीन वोटरों की पहचान की। इन वोटरों के नाम कयामुद्दीन कंसूरी, हजरा खातून एवं रैहाना खातून हैं। इन वोटरों ने बताया कि जिस मकान में पहले वे किराए में रहते थे, उसका ▶▶ शेष पेज 6 पर

22 वोटरों ने एक मकान का दिया था पता, सभी मिले

गाजी नगर में एक मकान में 22 वोटरों का एक ही पता है, जबकि इस मकान में 7 लोग ही रहते मिले। पूछताछ पर पता चला कि इस मकान का मालिक अपना एक मकान किराए पर देता है। पिछले कई वर्षों में उसके मकान में कई किराएदार रहकर अपना ठिकाना बदल चुके हैं। जांच टीम ने इन सभी वोटरों का पता लगाकर उन्हें फार्म-8 उपलब्ध करा कर पता बदलाने के लिए कहा है। इन 22 वोटरों में अब्दुल हमीद, हमीद अली, शमीम खान, रईश खान, गुलशन खातून, सुल्तान अंसारी, यासमीन परवीन, वाजदा तबसुम, शमा परवीन, शबाना परवीन, नाजिया परवीन, मो. अकराम मानसुरदी, साईना नाज, मो. तौहीद अंसारी, कर्मूद खान, मो. कय्याज अंसारी, पंकज साहू, मो. अकबर , मो. नासिर खान, राजेश वर्मा, मो. रियाजुद्दीन एवं मो. फैयाज अंसारी शामिल हैं।

जांच रिपोर्ट आना बाकी

गाजी नगर वोटरों की गड़बड़ी की जांच अभी चल रही है। इस जांच में अभी भी कई वोटरों का पता नहीं चला है, जिनका पता एक ही मकान में वाली मतदाता सूची में दर्ज है। सूत्रों की मानें तो कई वोटर गाजी नगर छोड़कर जा चुके हैं, जिनके द्वारा ▶▶ शेष पेज 6 पर

आनंद का सच्चा भाव®

18 कैरेट रेट* (75.00%)	= ₹105205/-
22 कैरेट रेट* (91.60%)	= ₹128490/-
24 कैरेट रेट* (99.99%)	= ₹140259/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Conditions apply

aNaND Jewels

Pandri, Raipur

खबर संक्षेप

राम मंदिर में वर्षगांठ पर अनुष्ठान शुरू

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्थित राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर पूजा अनुष्ठान शनिवार को शुरू हो गए। प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ का मुख्य कार्यक्रम 31 दिसंबर को होगा, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि होंगे। ये अनुष्ठान श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के सदस्य स्वामी विश्वप्रसन्न तीर्थ के नेतृत्व में बेंगलुरु विद्यापीठ से आए 15 वैदिक विद्वानों की उपस्थिति में किए जा रहे हैं।

तमनार में बलवा : शांति से चल रहा ग्रामीणों का आंदोलन दंगे में हो गया तब्दील

महिला टीआई को सड़क पर घसीटा एसडीएम की कार और बस को फूंका

जनसुनवाई का विरोध कर रहे ग्रामीणों की गिरफ्तारी के बाद फूटा जनाक्रोश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायगढ़

20 दिनों से तमनार के सीएचपी चौक में जनसुनवाई रद्द करने शांति से चल रहा आंदोलन शनिवार को अचानक करीब दो बजे बलवा में तब्दील हो गया। विरोध कर रहे ग्रामीण महिलाओं और पुरुषों की जबरदस्ती गिरफ्तारी करने पुलिस ने बल प्रयोग किया। ग्रामीण महिलाओं का गुस्सा इस कदर भड़का कि उन्होंने तमनार की महिला टीआई कमला पुसाम की सड़क पर घसीट-घसीट कर लात और घूसों से पिटाई कर दी। इतना ही नहीं उन्होंने एसडीएम की कार, बस और एक ▶▶ शेष पेज 6 पर

बेकाबू भीड़ को काबू करने पुलिस ने जमकर लाठी भांजी

क्षेत्र में तनाव का माहौल, मीडिया की भी एंट्री बंद

इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल व्याप्त है। ग्रामीण इतने आक्रोशित हैं कि वो जल-जंगल-जमीन के लिए आर-पार की लड़ाई लड़ने को तैयार हैं। इतना ही नहीं है घटना स्थल पर मीडिया को भी जाने नहीं दे रहे हैं। जिससे आगे के हालात और तनावपूर्ण नजर आ रहा है। घटना स्थल पर एसपी व प्रशासनिक अधिकारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए थे। इस मामले को लेकर एसपी दिव्यांग पटेल से उनके सरकारी नंबर पर फोन करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने फोन काट दिया।

एसडीओपी, टीआई सहित कई पुलिसकर्मी घायल

रायगढ़ जिले के ग्राम लिबरा के सीएचपी चौक पर उग्र भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया, जिसमें एसडीओपी, टीआई सहित कई पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। इस संबंध में पुलिस द्वारा जारी बयान में बताया गया कि 8 दिसंबर 2025 को भौराभाठा में हुई जनसुनवाई के विरोध में सेक्टर 1 कोल ब्लॉक के अंतर्गत प्रभावित 14 ग्रामों के ग्रामवासी द्वारा 12 दिसंबर 2025 से धरने पर बैठे हैं। इस पर शनिवार को सुबह 9 बजे के आस-पास ▶▶ शेष पेज 6 पर

बंद कमरे से मिली सड़ी-गली लाश

21 दिनों तक मां के शव के साथ रहा कलयुगी बेटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जशपुरनगर

जिले के कुनकुरी से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक बेटे ने अपनी मां की मौत के बाद शव को कमरे में बंद रखा और करीब 20 दिनों तक किसी को इसकी भनक नहीं लगने दी। मकान से उठती असहनीय दुर्गंध ने पड़ोसियों को परेशान कर दिया, तब जाकर सच्चाई सामने आई।

घटना कुनकुरी के रेमते रोड स्थित दिलीप कुमार कुजूर के मकान की है। पहली मंजिल पर सबीना खलखो (65) अपने 25 वर्षीय बेटे प्रवीण खलखो के साथ दिसंबर 2021 से किराए पर रह रही थी। पिछले कुछ ▶▶ शेष पेज 6 पर

शराब का आदी है बेटा

स्थानीय लोगों के अनुसार, प्रवीण अविवाहित है और आदतन शराबी है। पुलिस जांच कर रही है कि नशे के कारण उसने सूचना नहीं दी या फिर मौत के पीछे कोई साजिश है। आरोपी बेटे को हिरासत में लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट होगा। फिलहाल पुलिस लापरवाही और संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के कोण से जांच कर रही है।

हिरासत में लेकर पुलिस कर रही पूछताछ

मकान मालिक की सूचना पर पुलिस ने शव बरामद किया है। बेटा 20 दिनों से शव के साथ रह रहा था। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और हर पहलू से जांच जारी है। - **राकेश यादव**, थाना प्रभारी, कुनकुरी

हरिभूमि

अलविदा 2025

खेल में रिकॉर्ड टूटे और गोल्ड बरसे

2025 भारत के लिए खेलों के लिहाज से इतिहास रचने वाला वर्ष रहा। व्यक्तिगत स्तर पर कई उपलब्धियों ने भारतीय खेल को वैश्विक पहचान दिलाई। साथ ही टीम इंडिया ने ICC चैंपियंस ट्रॉफी भी जीती। ये उपलब्धियां न सिर्फ आज बल्कि आने वाले वर्षों में भारत को खेल की दुनिया में ऊंचा स्थान देती रहेंगी। साल 2025 भारतीय खेल इतिहास के उन खास वर्षों में शामिल हो गया, जब देश ने एक साथ कई खेलों में वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत का एहसास कराया। क्रिकेट में जहां भारतीय पुरुष टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतकर अपना दबदबा कायम रखा, वहीं नवी मुंबई में महिला टीम की पहली वर्ल्ड कप जीत ने इतिहास रच दिया। इसके साथ ही शतरंज में डी. गुकेश और दिव्या देशमुख जैसे युवा सितारों ने भारत को नई पहचान दिलाई, जबकि नीरज चोपड़ा ने जैवलिन थ्रो में एक बार फिर देश का परचम लहराया। पैरा-स्पोर्ट्स और एशियाई खेलों में भी भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया कि 2025 सिर्फ उपलब्धियों का साल नहीं, बल्कि भारत के खेल महाशक्ति बनने की कहानी का अहम पड़ाव रहा।

2025 एशियन यूथ गेम्स में रिकॉर्ड प्रदर्शन

भारत ने 2025 एशियाई यूथ गेम्स में अपनी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज की, जहां 48 कुल पदक। इनमें 13 गोल्ड, 18 सिल्वर और 17 ब्रॉन्ज शामिल हैं। यह सबसे बड़ी एशियाई युवा खेल उपलब्धि थी और इससे भविष्य के युवा खेल सितारों को 2026 युथ ओलंपिक्स के लिए क्वालिफाइंग स्लॉट भी मिले। भारतीय युवा एथलीट्स ने कुश्ती, बॉक्सिंग, एथलेटिक्स, कबड्डी, वेटलिफ्टिंग सहित विभिन्न खेलों में दमदार प्रदर्शन दिखाया।

विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में गोल्ड

2025 में विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में भारतीय पुरुष कंपाउंड टीम ने गोल्ड मेडल जीता। यह भारत का विश्व चैंपियनशिप में पहला कंपाउंड तीरंदाजी गोल्ड था। टीम में ऋषभ यादव, प्रभात सलुनखे और पृथमेश फुगे जैसे युवा खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिससे इस खेल में भारत की बढ़ती क्षमता स्पष्ट हुई।

भारतीय महिला टीम पहली बार बनी वर्ल्ड चैंपियन

2025 का साल भारतीय महिला क्रिकेट के लिए स्वर्णिम अध्याय बनकर आया, जब टीम इंडिया ने पहली बार महिला वर्ल्ड कप का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। फाइनल मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों ने आत्मविश्वास, संयम और आक्रामकता का शानदार संतुलन दिखाते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम को हराया। कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में टीम ने पूरे टूर्नामेंट में निरंतरता बनाए रखी, जबकि युवा खिलाड़ियों ने बड़े मंच पर बेखौफ प्रदर्शन कर यह साबित किया कि भारतीय महिला क्रिकेट अब नए युग में प्रवेश कर चुका है। यह खिताबी जीत न सिर्फ एक ट्रॉफी थी, बल्कि महिला क्रिकेट को बराबरी, पहचान और सम्मान दिलाने वाला पल भी साबित हुई, जिसने देशभर में लाखों लड़कियों को खेल के मैदान तक पहुंचने का सपना दिखाया।

विश्व मुक्केबाजी में दिखा भारत का दम

ग्रेटर नोएडा में आयोजित 2025 के विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप फाइनल्स में जैस्मिन लैंबोरिया ने महिला 57 किग्रा कैटेगरी में गोल्ड जीता। इसके अलावा नुपुर सेरोन ने +80 किग्रा में सिल्वर हासिल किया, जिससे यह अभियान भारतीय मुक्केबाजी के इतिहास के कुछ सबसे सफल अभियानों में से एक बन गया। विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स 2025 में भारत ने कुल 20 पदक (9 स्वर्ण, 6 रजत, 5 कांस्य) जीतकर शानदार प्रदर्शन किया।

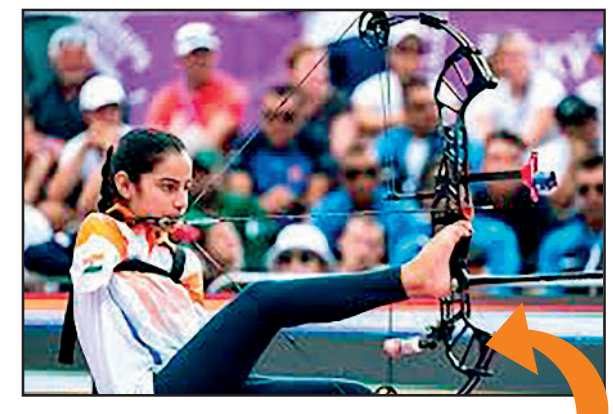

भारत की गौरव बनीं तीरंदाज शीतल देवी

पैरा-तीरंदाज शीतल देवी ने वर्ल्ड टाइटल जीतकर देश का मान बढ़ाया। इतना ही नहीं, शीतल ने इतिहास रचते हुए जेद्दा में होने वाले एशिया कप (चरण तीन) के लिए भारत की सक्षम जूनियर टीम में जगह बना ली। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि शीतल अब उन कुछ खिलाड़ियों में शामिल हो गई हैं जो पैरालंपिक के साथ-साथ सक्षम (सामान्य) प्रतियोगिताओं में भी हिस्सा ले रही हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी में चला भारतीय टीम का जादू

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में न्यूज़ीलैंड को हराकर तीसरा चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीता। रोहित शर्मा की कप्तानी में यह ऐतिहासिक जीत वनडे क्रिकेट में देश की मजबूत पहुंच को दर्शाती है।

भारतीय दृष्टिबाधित महिला टीम ने जीता टी20 विश्व कप का खिताब

2025 में भारतीय महिला दृष्टिबाधित टीम ने टी20 विश्व कप का खिताब जीत लिया। भारतीय टीम ने कोलंबो के पी सारा ओवल में खेले गए फाइनल मुकाबले में नेपाल को सात विकेट से हराया। इस टूर्नामेंट का आयोजन पहली बार हो रहा था और भारत इस वैश्विक टूर्नामेंट को जीतने में सफल रहा।

महिला खो-खो विश्व कप 2025 में जीता विश्व खिताब

भारतीय महिला खो-खो टीम ने 2025 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपनी झोली में डाला। ढाका में हुए फाइनल में चीनी ताइपे को मात देकर यह उपलब्धि भारतीय पारंपरिक खेल की वैश्विक वृद्धि को दर्शाती है।

वर्ल्ड कप शूटिंग : भारत का पहला गोल्ड

20 साल के सम्राट राणा ने अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में विश्व चैम्पियनशिप गोल्ड जीता। यह भारत के लिए शूटरिंग वर्ल्ड में एक ऐतिहासिक पल था और इस युवा खिलाड़ी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का गौरव बढ़ाया।

साल 2025 की बड़ी राजनीतिक घटनाएं जिन्होंने भारत की राजनीति को झकझोर दिया

साल 2025 भारतीय राजनीति के लिए उथल-पुथल और बड़े फैसलों का साल रहा। आतंकवाद पर करारा जवाब देने वाले ऑपरेशन सिंदूर से लेकर चौंकाने वाले चुनावी नतीजे, वक्फ कानून, उपराष्ट्रपति का इस्तीफा, वोट-चोरी विवाद और न्यायपालिका से जुड़े सवालों तक- हर घटना ने देश की राजनीति को झकझोर दिया। इन फैसलों का असर आने वाले सालों तक दिखेगा।

ऑपरेशन सिंदूर : जब देश एक सुर में बोला

2025 की सबसे बड़ी और निर्णायक घटना ऑपरेशन सिंदूर रही। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान में आतंक के ठिकानों पर बड़ा एक्शन लिया। 6 और 7 फरवरी की रात हुई इस कार्रवाई में 125 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए। यह उरी और बालाकोट के बाद भारत की तीसरी बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक थी। खास बात यह रही कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद, इस मुद्दे पर देश एकजुट नजर आया। बाद में सीजफायर को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे ने नई बहस छेड़ दी, लेकिन भारत सरकार ने किसी भी बाहरी मध्यस्थता से साफ इनकार कर दिया।

दुनिया में भारत की बात डिप्लोमैटिक स्ट्राइक

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने कूटनीतिक मोर्चे पर भी आक्रामक रुख अपनाया। अलग-अलग दलों के सांसदों की टीम बनाकर उन्हें विदेश भेजा गया, ताकि भारत का पक्ष दुनिया के सामने रखा जा सके। हालांकि, कांग्रेस नेता शशि थरूर का सरकार के पक्ष में खुलकर खड़ा होना उनकी पार्टी को रास नहीं आया। यह घटना दिखाती है कि विदेश नीति के मुद्दे पर राजनीति कितनी जटिल हो चुकी है।

वक्फ संशोधन कानून: सुधार या विवाद?

अप्रैल 2025 में लागू हुआ वक्फ (संशोधन) अधिनियम एक बड़ा राजनीतिक और सामाजिक मुद्दा बना। सरकार ने इसे पारदर्शिता और सुधार की दिशा में कदम बताया, जबकि विपक्ष और कुछ मुस्लिम संगठनों ने विरोध किया। सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दाखिल हुईं, लेकिन अदालत ने कानून पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। नए प्रावधानों ने वक्फ बोर्ड की शक्तियों और संरचना में बड़ा बदलाव किया।

ट्रंप टैरिफ और विदेश नीति की परीक्षा

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने से विदेश नीति पर बहस तेज हो गई। वजह बताई गई भारत का रूसी तेल आयात। विपक्ष ने इसे मोदी-ट्रंप दोस्ती की विफलता बताया, लेकिन आर्थिक मोर्चे पर भारत को खास नुकसान नहीं हुआ. उल्टा, साल के अंत तक निर्यात में बढ़ोतरी और रूसी तेल आयात में कमी देखी गई, जिससे सरकार को राहत मिली।

वोट चोरी और न्यायपालिका पर सवाल

एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर बिहार से शुरू हुआ विवाद पूरे देश में फैल गया। राहुल गांधी ने इसे 'वोट चोरी' करार देते हुए बड़ा अभियान छेड़ा। इसी साल न्यायपालिका भी कई विवादों में घिरी, कभी सुप्रीम कोर्ट में जूता फेंकने की घटना, तो कभी हाई कोर्ट के जजों पर लगे गंभीर आरोप। इन घटनाओं ने न्यायिक व्यवस्था की छवि और उसकी निष्पक्षता पर बहस छेड़ दी।

बिलासपुर

रविवार 28 दिसंबर 2025

पौष शुक्ल पक्ष अष्टमी

वर्ष : 25, अंक : 276

पृष्ठ : 10+6 = 16 मूल्य : 5.00***

मौसम

अधि. 27.4

न्यून. 11.4

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

7 बॉक्सिंग डे टेस्ट : इंग्लैंड की 15 साल ...

विचार पेज

2 अरावली के अस्तित्व पर संकट

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

अब सड़कों पर उतरेगी कांग्रेस, राहुल बोले- फैसला नोटबंदी जैसा विनाशकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के कोटला मार्ग स्थित नए कांग्रेस मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में शनिवार को कांग्रेस कार्य समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित किया। कांग्रेस नेतृत्व ने केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए इसके खिलाफ 5 जनवरी 2026 से देशव्यापी 'मनरेगा बचाओ आंदोलन' शुरू करने की घोषणा की है। राहुल ने मनरेगा का नाम बदलने को नोटबंदी जैसा विनाशाकारी फैसला बताया।

कांग्रेस ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के विषय पर मोदी सरकार को घेरने की रणनीति के तहत आगामी पांच जनवरी से देशव्यापी स्तर पर 'मनरेगा बचाओ अभियान' शुरू करने का फैसला किया है। पार्टी ने उम्मीद जताई है कि इस मुद्दे पर विपक्षी ⏭शेष पेज 6 पर

कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में मनरेगा का नाम बदलने पर नाराजगी

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और राहुल ने की संयुक्त प्रेस वार्ता

मनरेगा की जगह वीबी जी रामजी विधेयक

संसद ने विपक्ष के हंगामे के बीच बीते 18 दिसंबर को 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' को मंजूरी थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हस्ताक्षर के बाद अब यह अधिनियम बन चुका है। यह 20 साल पुराने मनरेगा की जगह लेगा। सूत्रों के अनुसार, कार्य समिति की बैठक के दिग्विजय ने कार्य समिति की बैठक के दौरान भी पार्टी संगठन में विकेंद्रीकरण की पैरवी की।

बांग्लादेश में हमले पर जताई चिंता

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने बैठक में बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमलों की निंदा की और कहा कि इससे पूरा भारत चिंतित है। खरगे ने अध्यक्षीय संबोधन में आरोप लगाया कि मनरेगा के स्थान पर 'विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम' बनाकर नरेन्द्र मोदी सरकार ने 'गरीबों की पीठ में छुरा घोंपा' है।

राहुल ने मोदी सरकार पर साधा निशाना

कार्यसमिति की बैठक के बाद राहुल गांधी ने संवाददाताओं से कहा, मनरेगा सिर्फ एक योजना नहीं थी, बल्कि यह काम के अधिकार पर आधारित एक विचार था। मोदी सरकार अधिकारों के विचार और संघीय ढांचे पर हमला कर रही है। मोदी सरकार राज्यों से पैसा छीन रही है। यह सत्ता और वित्तीय व्यवस्था का केन्द्रीकरण है।

इधर, दिग्गी की पोस्ट पर बवाल

कांग्रेस वर्किंग कमिटी कि बैठक चल रही थी। इसी दौरान कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया, जिसके बाद से राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। दिग्विजय सिंह ने

एक तस्वीर को पोस्ट करते हुए लिखा है कि **Quora site** पर मुझे यह चित्र मिला। बहुत ही प्रभावशाली है। किस प्रकार आरएसएस का जमीनी स्वयं सेवक व जनसंघ <\@>बीजेपी 4 इंडिया का कार्यकर्ता नेताओं की चरणों में फर्श पर बैठकर प्रदेश का मुख्यमंत्री व देश का प्रधानमंत्री बना। यह संघटन की शक्ति है। जय सिया राम। जय्यू प्रवक्ता की मानें तो राजद और कांग्रेस दोनों दलों में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है।

प्रधानमंत्री समर्पित कार्यकर्ता

विजय कुमार सिन्हा ने कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एक समर्पित कार्यकर्ता हैं। पीएम मोदी का लक्ष्य 21वीं सदी के भारत और स्वामी विवेकानंद के सपनों को साकार करना है।

भूकंप की तीव्रता 4.0

चरचा कॉलरी में महसूस किए गए भूकंप के झटके

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर के निकट कोयलांचल चरचा कॉलरी में 26 दिसंबर की रात्रि में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, इससे किसी तरह के नुकसान नहीं हुआ। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने भूकंप की तीव्रता 4.0 दर्ज की गई, जिसकी गहराई जमीन से 15 किमी गहराई में बताया जा रहा है।

मौसम कार्यालय अंबिकापुर के मौसम विज्ञानियों ने पुष्टि की है। मिली जानकारी के अनुसार 26 दिसंबर की रात्रि 9 बजकर 30 मिनट 21 सेकंड पर कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर से करीब 10 किमी दूर प्रमुख कोयलांचल चरचा कॉलरी में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, जिसकी तीव्रता सिस्मोग्राफ में 4 दशमलव 0 तीव्रता दर्ज की गई। भूकंप का केन्द्र 70 किमी दूर अंबिकापुर क्षेत्र में 15 किमी गहराई पर मापी गई, इसके चलते चरचा कालरी में मध्यम तीव्रत का भूकंप के झटके महसूस किए गए।

दहशतजदा रहे रहवासी

चरचा कॉलरी निवासी मुकेश यादव ने बताया कि बीती रात्रि करीब 9:40 बजे भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। इससे कुछ देर के लिए मोहल्ले में दहशत का माहौल बन गया। हालांकि अब तक किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है।

खबर संक्षेप

अभिनेता सलमान खान ने मनाया 60वां जन्मदिन

मुंबई। फिल्म अभिनेता सलमान खान ने पनवेल स्थित अपने फार्महाउस पर अपना 60वां

जन्मदिन परिवार और करीबी दोस्तों के साथ मनाया। इस मौके पर अभिनेता संजय दत्त, आदित्य रॉय कपूर और क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी भी मौजूद रहे।

बेटों ने माता-पिता की हत्या कर खुदकुशी की

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत की जांच में पता चला है कि दो भाइयों ने घर पर अपने माता-पिता का गला घोंटने के बाद ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। यह हत्या और आत्महत्या की घटना आर्थिक तंगी के कारण घटित हुई है।

सबरीमला में मंडला पूजा पहुंचे हजारों श्रद्धालु

सबरीमला। वार्षिक तीर्थयात्रा के 41 दिन लंबे पहले चरण के समापन के अवसर पर पवित्र

सबरीमला पर्वत पर भगवान अयप्पा मंदिर में आयोजित मंडला पूजा में शनिवार को हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। औपचारिक शोभा यात्रा के जरिए मंदिर परिसर लाई गई पवित्र स्वर्ण पोशाक 'थंका अंकी' भगवान को धारण कराए जाने के बाद मंडला पूजा की गई।

अनियंत्रित कार पेड़ से टकराई, चार की मौत

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में शनिवार शाम तेज रफ्तार एक कार अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई, जिससे वाहन में सवार दो भाइयों समेत चार युवकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान मनीष (26), विजय (28), जगदीश (27) और सोनू (29) के रूप में हुई। बेहट थानाक्षेत्र के मां शाकंभरी रोड पर यह हादसा हुआ।

पुलिस मुखबिरी का संदेह

घर में घुसकर समर्पित नक्सली की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर/बीजापुर

नक्सलियों ने एक बार फिर कायराना हरकत को अंजाम देते हुए अपने ही पुराने साथी को मौत के घाट उतार दिया है, जिसने पूर्व में समर्पण कर मुख्यधारा में शामिल होने के बाद आम जीवन जी रहा था, जो नक्सलियों को रास नहीं आया और उसे कुल्हाड़ी से मारकर निर्मम हत्या कर दी। मामला बीजापुर जिले के अंतिम गांव पामेड़ थाना क्षेत्र के एर्रापल्ली का है।

26 दिसंबर की रात नक्सली एर्रापल्ली निवासी पुनेम बुधरा के घर पर पहुंचे ⏭शेष पेज 6 पर

मामले की पुलिस कर रही जांच

बीजापुर एसपी डॉ जितेन्द्र यादव ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पामेड़ थाना इलाके की ये घटना है। 26 दिसंबर को रात लगभग 10 बजे कुछ नकाबपोश लोग ग्राम एर्रापल्ली निवासी पूनेम बुधरा पिता जोगा (22) के हत्या किए जाने की सूचना प्राप्त हुई है।

पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर किया था समर्पण

जानकारी के मुताबिक पुनेम बुधरा पूर्व में माओवादी था तथा समर्पण करने के बाद सामान्य जिंदगी बसर कर रहा था। वह छग शासन की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर समाज की मुख्यधारा में शामिल हुआ था। पुनेम के समर्पण के बाद उसके परिजन भी खुश थे। हत्या के बाद से इलाके में शोक की लहर दौड़ गई लोगों में खौफ के साथ ही नक्सलियों के खिलाफ आक्रोश है।

डीजीसीएम को सौंपी रिपोर्ट

इंडिगो संकट का सच जल्द आएगा सामने

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में पिछले कुछ हफ्तों से जारी परिचालन संकट की जांच करने वाली चार सदस्यीय समिति ने अपनी रिपोर्ट विमानन नियामक डीजीसीए को सौंप दी। हालांकि रिपोर्ट को 'कॉन्फिडेंशियल' रखा गया है और इसके प्रमुख निष्कर्ष अभी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जांच समिति ने शुक्रवार शाम अपनी रिपोर्ट जमा की, जिसकी कॉपी नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू और सचिव समीर कुमार सिन्हा के कार्यालयों को भी भेजी गई हैं।

अधिकारी के मुताबिक, कमेटी ने इंडिगो संकट की जमीनी वजहों और भविष्य में ऐसी समस्या ना हो इसलिए, बचाव के तरीकों पर भी विश्लेषण किया है।

क्या है मामला

गौरतलब है कि दिसंबर की शुरुआत में इंडिगो के नेटवर्क में भारी व्यवधान देखने को मिला। एक ही दिन में 1600 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, जबकि कई और उड़ानें घंटों विलंब से रवाना हुईं। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे बड़े एयरपोर्ट्स पर हजारों यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ी। डीजीसीए ने इसे एयरलाइन की 'आंतरिक निगरानी, ऑपरेशन तैयारी और अनुपालन योजना में गंभीर खामी' बताया।

रायपुर सहित प्रमुख शहरों में रेल संचालन क्षमता होगी दोगुनी

साय बोले- छत्तीसगढ़ के यात्रियों को बड़ा तोहफा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारतीय रेलवे द्वारा अगले पांच वर्षों में देश के 48 प्रमुख शहरों में रेलगाड़ियों की संचालन क्षमता को दोगुना करने की जो महत्वाकांक्षी योजना तैयार की गई है, उसमें छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर को भी शामिल किया गया है। इस निर्णय का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह छत्तीसगढ़ के करोड़ों यात्रियों के लिए बड़ा तोहफ़ा ⏭शेष पेज 6 पर

- कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधियां होंगी सुदृढ़

साय ने पीएम-रेलमंत्री का जताया आभार

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव को छत्तीसगढ़ की रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को अभूतपूर्व रेल परियोजनाओं की सौगात मिली है। ये परियोजनाएं राज्य के विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगी और जनता को बेहतर रेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

अरावली पहाड़ियों से जुड़ा मुद्दा इन दिनों केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह एक बड़े सामाजिक–राजनीतिक आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल इसे पर्यावरण संरक्षण का गंभीर सवाल बता रहे हैं, जबकि केंद्र सरकार इसे खनन माफिया पर सख्त प्रहार के रूप में पेश कर रही है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा से यह सवाल उठ रहा था कि क्या अरावली के माध्यम से खनन उद्योग को गति प्रदान की कोशिश हो रही है ? हालांकि सरकार यह प्रदर्शित कर रही है कि वह खनन को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है, लेकिन क्या इन प्रयासों से वास्तव में नियमानुसार खनन हो पाएगा ? माना जा रहा है कि अरावली की नई परिभाषा से इन पहाड़ियों में खनन और तेज हो जाएगा और पहाड़ियां खत्म होने के कगार पर पहुंच जाएंगीं। यह थार रेगिस्तान को पूर्वी भारत की ओर बढ़ने से रोकने में एक प्राकृतिक दीवार की तरह काम करती है। यही कारण है कि इसे उत्तर भारत का "रक्षा कवच" भी कहा जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार अरावली पर्वत श्रृंखला केवल जीव-जंतुओं के लिए ही नहीं, बल्कि इंसानों के लिए भी एक लाइफ लाइन है। अब सबसे अहम यह है कि क्या सचमुच अरावली का भविष्य सुरक्षित है? इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

अरावली के अस्तित्व पर संकट

विश्लेषण

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

देश में बढ़ते विकास के बीच जंगल, पहाड़ अक्सर अपनी कुर्बानी देते हैं भारत में इसका सबसे ताजा उदाहरण अरावली है जो विकास बनाम पर्यावरण के बीच खड़ी है। करीब 690 किलोमीटर लंबी अरावली, जो गुजरात से शुरू होकर राजस्थान और हरियाणा होते हुए दिल्ली तक फैली है। इसने सदियों से उत्तर-पश्चिमी भारत में जलवायु संतुलन और बायोडायवर्सिटी को बचाए रखा है। आज अरावली एक बार फिर विकास, पर्यावरण संरक्षण और कानून के टकराव के बीच में खड़ी है। अरावली का महत्व सिर्फ पहाड़ों तक सीमित नहीं है। यह थार रेगिस्तान को पूर्वी भारत की ओर बढ़ने से रोकने में एक प्राकृतिक दीवार की तरह काम करती है। यही कारण है कि इसे उत्तर भारत का "रक्षा कवच" भी कहा जाता है। पर्यावरण के लिहाज से अरावली भूजल को रिचार्ज करने में मदद करती है, जिससे राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर में पानी का संतुलन बना रहता है।

करीब 690 किलोमीटर लंबी अरावली, जो गुजरात से शुरू होकर राजस्थान और हरियाणा होते हुए दिल्ली तक फैली है। इसने सदियों से उत्तर-पश्चिमी भारत में जलवायु संतुलन और बायोडायवर्सिटी को बचाए रखा है। आज अरावली एक बार फिर विकास, पर्यावरण संरक्षण और कानून के टकराव के बीच में खड़ी है। आज, अरावली रेंज खतरे में है। अवैध माइनिंग ने 20 फीसदी इलाके को नष्ट कर दिया है। वैज्ञानिकों ने सुझाव दिया है कि यहां के जंगलों को बचाना और उनका विस्तार करना बहुत ज़रूरी है। माइनिंग को कंट्रोल करना भी ज़रूरी है

प्रदूषण रोकने में मददगार

ये पहाड़ियां धूल भरी आंधियों को रोकती हैं और प्रदूषण को सोखकर दिल्ली-एनसीआर की हवा को साफ रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि अगर अरावली कमजोर हुई तो रेगिस्तान फैल सकता है और उत्तर भारत में जल संकट और गंभीर हो जाएगा। एक ओर अरावली को उत्तर भारत के पर्यावरणीय संतुलन के लिए बेहद अहम बताया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर विपक्ष इसे प्रदेश के भविष्य से जुड़ा मुद्दा बनाकर सड़क से सदन तक संघर्ष की तैयारी में जुट गया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर, 2025 में अरावली की परिभाषा बदल दी, जिसमें 100 मीटर से ऊंची जगहों को ही पहाड़ी माना जाएगा। इस आदेश से सिर्फ राजस्थान के 15 जिलों में 12,081 पहाड़ियों में से केवल 1,048 (8.7 फीसदी) ही इस मानक को पूरा कर सकेंगी और 90 फीसदी से अधिक क्षेत्र संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएगा। यही बात पर्यावरणविदों को चिंता में डाल रही है। उनका कहना है कि सिर्फ़ ऊँचाई के आधार पर अरावली को परिभाषित करने से कई ऐसी पहाड़ियों पर खनन और निर्माण के लिए दरवाज़ा खुल जाने का खतरा पैदा हो जाएगा, जो 100 मीटर से छोटी हैं, झाड़ियों से ढंकी हुई और पर्यावरण के लिए जरूरी हैं।

जनजीवन से जुड़ा है मामला

यह फैसला सिर्फ कानूनी व्याख्या का मामला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, पर्यावरण व भविष्य से जुड़ा सवाल है। इसलिए पर्यावरणविद मांग कर रहे हैं कि सरकार अरावली क्षेत्रों को वैज्ञानिक मानकों से परिभाषित करे, जिसमें उसका भूगोल, पर्यावरण. वन्यजीव संपर्क और जलवायु संघर्ष क्षमता शामिल हो। हालांकि, सरकार और कुछ कानून विशेषज्ञों का कहना है कि नई परिभाषा 1980 के दशक से चली आ रही, जो इस लड़ाई पर एक सामान्य परिभाषा बनाएगी। कोर्ट ने भी माना कि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आर्थिक वास्तविकताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अरावली क्षेत्र में पत्थर और खनिजों का खनन हजारों लोगों की आजीविका से जुड़ा है और बुनियादी ढांचे के लिए जरूरी है। बिना ठोस वैज्ञानिक और कानूनी आधार के पूरी तरह से प्रतिबंध के कई गंभीर परिणाम हो सकते हैं।केंद्र सरकार का कहना है कि नई परिभाषा का मकसद नियमों को मज़बूत करना और एकरूपता लाना है, न कि सुरक्षा को कम करना। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने कहा कि यह मान लेना ग़लत है कि 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली हर जमीन पर खनन की इजाज़त होगी।

अब अरावली की नई परिभाषा

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि 1,47,000 वर्ग किलोमीटर में फैली अरावली श्रृंखला का सिर्फ़ दो फीसदी हिस्सा ही संभावित रूप से खनन के लिए इस्तेमाल हो सकता है और वह भी विस्तृत अध्ययन और आधिकारिक मंजूरी के बाद। बहरहाल, अरावली पर्वत श्रृंखला के संरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश और केंद्र सरकार द्वारा अरावली की नई परिभाषा तय करने के प्रयासों के बाद राजस्थान की राजनीति गरमा गई है। इस पूरे विवाद की जड़ में एक सबसे अहम सवाल है, जो देखने में सरल लेकिन असल में बेहद खतरनाक है- आखिर अरावली की कानूनी और पर्यावरणीय परिभाषा क्या होनी चाहिए? सुप्रीम कोर्ट ने जो नई परिभाषा पर मुहर लगाई है क्या वो पर्यावरण मानकों और साइंटफिक स्केल के दायरे में किया गया है? यह सवाल इसलिए अहम बन जाता है क्योंकि इसी परिभाषा के आधार पर यह तय होता है कि कौन-सा क्षेत्र खनन, रियल एस्टेट, इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स या संरक्षण के दायरे में आएगा। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा केंद्र सरकार की सुझाई गई परिभाषा को स्वीकार किए जाने के बाद यह बहस और तीखी हो गई है। अरावली का महत्व केवल स्थानीय नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्तर पर भी अत्यंत व्यापक है। यह पर्वतमाला थार मरुस्थल और उत्तर भारत के घनी आबादी वाले मैदानों के बीच एक प्राकृतिक ढाल की तरह काम करती है। राजस्थान, दिल्ली और गुरुग्राम जैसे क्षेत्रों में यह धूल भरी हवाओं को रोकने, तापमान नियंत्रित करने और वर्षा के जल को जमीन में समाहित करने में सहायक है। अरावली के जंगल कार्बन अवशोषण और वायु शुद्धिकरण में भी अहम भूमिका निभाते हैं। यदि अरावली को गंभीर क्षति पहुंचती है, तो इसके परिणाम दूरगामी होंगे। विशेषज्ञों के अनुसार इससे वायु प्रदूषण में वृद्धि, भीषण गर्मी और हीटवेव, और भूजल स्तर में तेज गिरावट जैसी समस्याएं और गहराएंगी।

माइनिंग कंट्रोल करना ज़रूरी

यह राजस्थान में मरुस्थलीकरण की गति बढ़ सकती है, जबकि दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण और जल संकट और गंभीर रूप ले सकता है। अरावली पर सुप्रीम कोर्ट की नई परिभाषा ने एक ऐसे निर्णायक मोड़ की ओर संकेत किया है, जहां कानूनी व्याख्या और पर्यावरणीय वास्तविकता के बीच संतुलन स्थापित करना अनिवार्य हो गया है। आने वाले समय में इस फैसले के प्रभाव केवल कानून की किताबों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उत्तर भारत के पर्यावरण और जनजीवन पर गहरी छाप छोड़ सकते हैं। दरअसल, यह पूरा मामला दिखाता है कि अरावली संरक्षण की लड़ाई लंबी है। विकास और पर्यावरण का संतुलन कैसे बनेगा, यह समय बताएगा। लेकिन आज, अरावली रेंज खतरे में है। अवैध माइनिंग ने 20 फीसदी इलाके को नष्ट कर दिया है। सरकार अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट चला रही है। वैज्ञानिकों ने सुझाव दिया है कि यहां के जंगलों को बचाना और उनका विस्तार करना बहुत ज़रूरी है। माइनिंग को कंट्रोल करना भी ज़रूरी है।

जीवन के लिए पर्वतीय शृंखला का जिंदा रहना जरूरी

मुद्दा

सुशील देव

वरिष्ठ स्तंभकार

अरावली पहाड़ियों से जुड़ा मुद्दा इन दिनों केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह एक बड़े सामाजिक–राजनीतिक आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल इसे पर्यावरण संरक्षण का गंभीर सवाल बता रहे हैं, जबकि केंद्र सरकार इसे खनन माफिया पर सख्त प्रहार के रूप में पेश कर रही है। दशकों से चल रही राजनीति, विरोधाभासी फैसलों और बदलती परिभाषाओं के बीच यह सवाल सबसे अहम है कि क्या सचमुच अरावली का भविष्य सुरक्षित है? हाल ही में केंद्र सरकार ने अरावली पहाड़ियों में नए खनन मामलों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली–एनसीआर तक फैली पूरी अरावली शृंखला पर लागू किया गया है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि जो खदानें पहले से संचालित हैं, उन्हें सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुसार सभी पर्यावरणीय मानकों और सुरक्षा उपायों का सख्ती से पालन करना होगा। सरकार का दावा है कि इससे प्रकृति को हो रहे नुकसान को रोका जाएगा और अरावली क्षेत्र में हरियाली लौटाने के प्रयास किए जाएंगे। इसी बीच अरावली की परिभाषा को लेकर विवाद गहरा गया है। हालिया सुप्रीम कोर्ट के फैसले में कहा गया कि केवल वही भूमि अरावली पहाड़ी मानी जाएगी, जो आसपास की जमीन से कम से कम 100 मीटर ऊंची हो।

यदि अरावली कमजोर होती है, तो दिल्ली–एनसीआर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में पानी और हवा दोनों का संकट और गहरा सकता है। पहले ही गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के इलाकों में अरावली की कई पहाड़ियां कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो चुकी हैं।

इस परिभाषा के सामने आते ही पर्यावरणविदों और विपक्षी दलों ने आशंका जताई कि इससे बड़ी संख्या में छोटी पहाड़ियां, टीले और झाड़ियों से ढके क्षेत्र संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएंगे। कांग्रेस का आरोप है कि नई परिभाषा के तहत अरावली का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा संरक्षित नहीं रह पाएगा और उसे रियल एस्टेट या अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए खोला जा सकता है। सरकार इन आरोपों को सिरे से खारिज करती है। उसका कहना है कि विपक्ष भ्रम फैला रहा है और खनन पर लगे प्रतिबंध से बौखला गया है। पर्यावरण मंत्रालय का दावा है कि अरावली के संरक्षण के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है और सर्वे ऑफ इंडिया को नई परिभाषा के आधार पर नक्शा तैयार करने के निर्देश केवल स्पष्टता के लिए दिए गए हैं। बावजूद इसके, इस मुद्दे पर देशभर में विरोध प्रदर्शन, हस्ताक्षर अभियान और जनसभाएं हो रही हैं, जो बताती हैं कि जनता की चिंता गहरी है। अरावली मानसून के दौरान बादलों की दिशा मोड़ने में अहम भूमिका निभाती है, जिससे पूर्वी राजस्थान और उत्तरी मैदानों को वर्षा मिलती है। यह थार मरुस्थल के विस्तार को रोकती है और रेत–धूल को दिल्ली–एनसीआर तक पहुंचने से काफी हद तक थामे रखती है। इसके अलावा, अरावली को भूजल रिचार्ज का इंजन भी कहा जाता है। इस क्षेत्र में मौजूद जंगल, चट्टानें और मिट्टी वर्षा जल को जमीन में समाहित कर जलस्तर बनाए रखने में मदद करते हैं।

यदि अरावली कमजोर होती है, तो दिल्ली–एनसीआर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में पानी और हवा दोनों का संकट और गहरा सकता है। पहले ही गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के इलाकों में अरावली की कई पहाड़ियां कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो चुकी हैं। इतिहास पर नजर डालें तो अरावली को लेकर राजनीतिक दलों की भूमिका भी सवालों के घेरे में रही है। आरोप है कि 2003 में कांग्रेस सरकार के दौरान 100 मीटर ऊंचाई वाली परिभाषा की नींव रखी गई थी, जिसे 2010 में सुप्रीम कोर्ट में पेश किया गया। तब अदालत ने उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया था। अब करीब 14 साल बाद वही परिभाषा एक बार फिर सामने आई और सुप्रीम कोर्ट की मुहर लग गई। इस कारण विपक्ष और पर्यावरणविद् दोनों सरकार की मंशा पर सवाल उठा रहे हैं। सच्चाई यह है कि अरावली को सबसे ज्यादा नुकसान राजनीति से ज्यादा लालच और अनियंत्रित विकास ने पहुंचाया है। खनन, रियल एस्टेट और बुनियादी ढांचे के नाम पर इस पर्वतमाला को लगातार काटा गया। नतीजा यह है कि दिल्ली–एनसीआर में प्रदूषण का स्तर खतरनाक बना रहता है और लोगों की औसत आयु तक प्रभावित हो रही है। आज जरूरत इस बात की है कि अरावली को केवल राजनीतिक बहस का विषय न बनाकर राष्ट्रीय धरोहर के रूप में देखा जाए। वैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों और स्थानीय समुदायों की राय को गंभीरता से सुना जाए। विकास और संरक्षण के बीच संतुलन बनाना ही एकमात्र रास्ता है। क्योंकि सच यही है-अगर अरावली जिंदा रहेगी, तभी हमारी हवा, पानी और जीवन भी सुरक्षित रह पाएगा।

अरावली बचाने की मुहिम पर सवाल उठाना गलत

विवाद

रोहित कौशिक

स्वतंत्र पत्रकार

अरावली पर चले रहे विवाद के बीच केन्द्र सरकार ने राज्यों को अरावली में नए खनन पट्टे देने पर पूरी तरह रोक लगाने के निर्देश जारी कर दिए हैं। पर्यावरण मंत्रालय ने कहा कि यह रोक पूरे अरावली क्षेत्र पर समान रूप से लागू होगी और इसका मकसद इस क्षेत्र की अखंडता को बनाए रखना है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा से यह सवाल उठ रहा था कि क्या अरावली के माध्यम से खनन उद्योग को गति प्रदान की कोशिश हो रही है ? हालांकि सरकार यह प्रदर्शित कर रही है कि वह खनन को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है लेकिन क्या इन प्रयासों से वास्तव में नियमानुसार खनन हो पाएगा ? माना जा रहा है कि अरावली की नई परिभाषा से इन पहाड़ियों में खनन और तेज हो जाएगा और अरावली की पहाड़ियां खत्म होने के कगार पर पहुंच जाएंगीं, जिससे कई तरह के पर्यावरणीय बदलाव होंगे। मुख्य रूप से राजस्थान में अरावली की नई परिभाषा को लेकर आन्दोलन तेज हो गया है। दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में अरावली की पहाड़ियां हैं लेकिन राजस्थान में अरावली की 80 प्रतिशत पहाड़ियां हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने अरावली की पहाड़ियों में अवैध खनन को रोकने के लिए केन्द्र सरकार से जवाब मांगा था। कोर्ट का कहना था कि अरावली की पहाड़ियों को लेकर कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है। सभी राज्य अपने अनुसार यह तय करते हैं कि वे किस पहाड़ को पहाड़ मानेंगे और किस पहाड़ पर खनन करने की इजाजत देंगे। इसी संशय को दूर करने के लिए केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने एक समिति बनाई। इस समिति ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी सिफारिशें दाखिल कीं। केन्द्र सरकार ने इस सिफारिशों में सुप्रीम कोर्ट को बताया कि यदि किसी पहाड़ की ऊंचाई 100 मीटर या उससे ज्यादा है तो उस पहाड़ से 500 मीटर के इलाकों को अरावली क्षेत्र माना जाएगा और वहां किसी भी प्रकार के खनन की अनुमति नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने इन सिफारिशों को स्वीकार करते हुए कहा कि जो पहाड़ इस परिभाषा के हिसाब से अरावली क्षेत्र में नहीं आएंगे, वहां सस्टेनेबल माइनिंग यानी टिकाऊ खनन हो सकेगा। सस्टेनेबल माइनिंग का अर्थ यह है कि खनन करते हुए वहां के पर्यावरण, जल, जंगल और जनता की जिंदगी को स्थायी हानि न हो। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ लोगों में गुस्सा है। लोगों का मानना है कि इस परिभाषा के हिसाब से अरावली के 90 प्रतिशत पहाड़ खत्म हो जाएंगे क्योंकि इन पहाड़ों की ऊंचाई 100 मीटर से ज्यादा नहीं है। यह सही है कि अरावली क्षेत्र में पहले से ही खनन होता रहा है लेकिन अब समाज में अरावली को बचाने की चिंता देखी जा रही है तो इस चिंता को कठघरे में खड़ा नहीं किया जाना चाहिए।

सस्टेनेबल माइनिंग का अर्थ यह है कि खनन करते हुए वहां के पर्यावरण, जल, जंगल और जनता की जिंदगी को स्थायी हानि न हो।

देश में तमाम प्राकृतिक धरोहरों को संभालना होगा

सियासत

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

हाल ही में राजस्थान में अरावली की पहाड़ियां इन दिनों सियासत की जंग का मैदान बनी हुई हैं। अरावली को लेकर सब अपने-अपने हिसाब से परिभाषित कर रहे हैं जिसे लेकर जबरदस्त विवाद छिड़ा हुआ है। आरोप-प्रत्यारोप का खेल भी जमकर हो रहे हैं। भाजपा आरोप लगा रही है कि पूर्व सीएम अशोक गहलोत जो 'सेव अरावली' कैंपेन चला रहे थे, वह उन्हीं के कार्यकाल में अरावली 100 मीटर की परिभाषा की सिफारिश की गई थी और हमने वो ही किया।

हमें पहले यह समझना चाहिए कि अरावली भारत की रीढ़ है जो चार राज्यों से गुजरती है। यह उत्तर-पश्चिम भारत में लगभग 670 किलोमीटर लंबी मानी जाती है। यह दिल्ली के पास से शुरू होकर दक्षिण हरियाणा और राजस्थान के अंदर तक जाती है और फिर गुजरात में अहमदाबाद के आसपास के मैदानों तक पहुंचती है।

भूगोलविद सीमा जालान बताती हैं कि अरावली 67 करोड़ वर्ष पुरानी पर्वतमाला है और यह नहीं होतीं तो उत्तर भारत की जाने कितनी नदियां नहीं होतीं। जाने कितने जंगल, कितनी वनस्पतियां, कितने बहुमूल्य धातु और कितने इकोलॉजिकल वैभव नहीं होते। विशेषज्ञों के अनुसार अरावली पर्वत श्रृंखला केवल जीव-जंतुओं के लिए ही नहीं बल्कि इंसानों के लिए भी एक लाइफ लाइन है। सरकार इस मुद्दे की गंभीरता को समझे। जिस तरह केंद्र सरकार ने अरावली पहाड़ियों को 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को अरावली घोषित किया गया है और इस पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनी मुहर लगा दी। इसके अलावा हरियाणा सरकार के हस्तक्षेप करने का कारण यह है कि अरावली का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा ही हरियाणा में आता है और बाकि हिस्सा राजस्थान में है। जनता का आरोप है कि बीते कई वर्षों से अरावली की चोरी हो रही है और 100 मीटर बने

आज जब अरावली की समस्या आई तो हर कोई अपनी उपस्थिति दर्ज करा है लेकिन यह सबको पता है कि कोई भी प्राकृतिक व ऐतिहासिक धरोहर नष्ट या क्षतिग्रस्त एकदम या कुछ समय में नहीं होती।

कानून का कोई औचित्य नहीं है। वहीं, दूसरी ओर सरकार ने इसकी पैरवी की और ये गाइडलाइन सुप्रीम कोर्ट के जरिए की जा रही है। कांग्रेस का आरोप है कि एक तरफ देश में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार अरावली जैसी प्राकृतिक दीवार को कमजोर करने का काम कर रही है।

पहले ही अरावली में बड़े स्तर पर अवैध खनन हो रहा है। बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हो रहा है, ऐसे में कैसे बचेगी अरावली और कैसे बचेगा पर्यावरण? बहरहाल, आज जब अरावली की वजह से प्राकृतिक समस्या आई तो हर कोई अपनी उपस्थिति दर्ज करा है लेकिन यह सबको पता है कि कोई भी प्राकृतिक व ऐतिहासिक धरोहर नष्ट या क्षतिग्रस्त एकदम या कुछ समय में नहीं होती। इसमें लंबा समय लगता है और यह खुला खेल हमेशा शासन-प्रशासन के सामने ही होता रहा है। मौजूदा स्थिति में हाईटेक होने के लिए हर रोज विश्व का एक सकारात्मक दिशा की ओर निर्माण हो रहा है जिसमें भारत का नाम भी बेहद चुनिंदा देशों में गिना जाने लगा। हम अन्य देशों की अपेक्षा पर्यावरण व प्राकृतिक धरोहरों को बचाने व संभालने में उतने सक्षम नहीं हैं जितने कि हमें जरूरत है। दरअसल मामला यह है कि लगातार बढ़ रही जनसंख्या को व्यवस्थित करने के लिए हम पर्यावरण व धरोहरों का विनाश करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। मानव जीवन की सबसे अहम व मूलभूत जरूरत को दरकिनार करके तरक्की करना अपराध सा लगता है।

हमारे यहां जनसंख्या का तेजी से बढ़ना जारी है तो उस आधार पर सरकारों को जनता के लिए जगह की व्यवस्था करनी होती है जिसके चलते जंगल का पर्यावरण व पहाड़ों को बर्बाद किया जा रहा है देश की तरक्की व जनता की जरूरत के लिए ऐसे मुद्दों की गंभीरता न समझना मानव जीवन पर ही भारी पड़ रहा है। वैज्ञानिकों ने लगातार हो रही आपदाओं के लिए प्राकृतिक संसाधनों के अधिक इस्तेमाल को जिम्मेदार ठहराया है। उनका मानना है कि आज स्थिति के आधार पर हमारी धरती अपने भार से कहीं अधिक भार वहन कर रही है। अगर यही हाल रहा तो अगले कुछ वर्ष बाद ही धरती रहने लायक नहीं बचेगी।

आजादी की लड़ाई से लेकर देश के नवनिर्माण तक कांग्रेस

स्थापना दिवस

दीपक बैज

कांग्रेस ने अपनी स्थापना के 140 वर्ष पूरे कर लिए हैं। 141वें स्थापना दिवस की आप सभी को बधाई। आज भले ही अधिकांश राज्यों में कांग्रेस की सरकार नहीं है, लेकिन कांग्रेस ही देश का एक मात्र राजनैतिक दल है जिसका कार्यकर्ता भारत के उत्तर, दक्षिण, पूरब से लेकर पश्चिम के हर गांव में मिल जाएगा। 28 दिसंबर 1885 को कुछ बुद्धिजीवियों ने भारत के लोगों की जरूरतों, उनकी समस्याओं के विमर्श के लिए एक मंच की जरूरत महसूस की, जो तत्कालीन हुक्मरानों के समक्ष भारत की जनता की आवाज बन सके, सरकार के द्वारा बनाई जा रही नीतियों में भारतीयों की जरूरतों को स्थान दिलवाया जा सके। इन्ही उद्देश्यों को लेकर 72 सदस्यों ने कांग्रेस की स्थापना की जिनमें एओ ह्यूम, दादाभाई नौरोजी, व्योमेश चन्द्र बेनर्जी, काशीनाथ तेलंग, राघवाचारी प्रमुख थे। कांग्रेस का पहला अधिवेशन व्योमेश चन्द्र बेनर्जी की अध्यक्षता में मुंबई में हुआ। भारतीयों की समस्याओं को उठाने के उद्देश्य के लिए गठित की गई कांग्रेस पार्टी बहुत जल्दी ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन की मुखर विरोधी बन गयी। गठन से लेकर भारत की आजादी तक कांग्रेस के लगभग 15 मिलियन सदस्य बन गए थे।

गुलाम भारत के लोगों में राजनैतिक चेतना जागृत कर उनमें आजाद मुल्क की ललक पैदा करना एक बड़ा कठिन काम था, जब तक लोगों में आजादी और स्वराज की जरूरत की चेतना जागृत नहीं होगी, अंग्रेजी शासन के खिलाफ कोई भी आंदोलन खड़ा नहीं हो सकता, इस बात को कांग्रेस ने भली भांति समझ लिया था, इसीलिए कांग्रेस ने शुरू से ही अंग्रेजी हुकूमत के विरोध के कार्यक्रमों में आम आदमी को जोड़ा और सामूहिक नेतृत्व पर जोर दिया। 1915 में महात्मा गांधी के भारत आगमन के बाद उन्हें कांग्रेस की अध्यक्षता सौंपी गयी, 1919 में गांधी जी कांग्रेस के प्रतीक पुरुष बन गए और इसके बाद कांग्रेस ने देश भर में अंग्रेजी हुकूमत के अत्याचारों के खिलाफ जनांदोलनों को खड़ा करना शुरू किया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1929 के लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज का नारा दिया और रावी नदी के तट पर तिरंगा फहराया गया।

कांग्रेस आजादी का लक्ष्य प्राप्त करने में इसलिए सफल हुई क्योंकि वह लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर आगे बढ़ रही थी। आजादी की लड़ाई में कांग्रेस किसी एक वर्ग की नही बल्कि सम्पूर्ण भारत की अगुवाई कर रही थी। कांग्रेस में कई विचार धाराएं थी, गांधी जी सहित कांग्रेस के नेतृत्वकर्ताओ ने वैचारिक मतभिन्नता का पूरा सम्मान किया तथा विभिन्न विचारों को लेकर स्वतंत्र भारत के एक लक्ष्य के साथ कांग्रेस दुनिया के सबसे बड़े सफल अहिंसक आंदोलन को चलाने में कामयाब हुई। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान कांग्रेस भारत के जनमानस की आईना थी। सारा भारत कांग्रेस के साथ था सिर्फ साम्प्रदायिक जातिवादी और अंग्रेजो के प्रति श्रद्धा रखने वाले संगठन जरूर कांग्रेस के खिलाफ थे।

आजादी के बाद छोटे बड़े रजवाड़ो रियासतों को समाहित कर लोकतांत्रिक भारत के निर्माण के साथ समानता वाले भारत का निर्माण, सबको समान

आणथक अवसर के साथ धार्मिक, सामाजिक और लैंगिक समानता को सुनिश्चित करना बहुत बड़ी चुनौती थी। आजाद भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू जानते थे कि यह सारे लक्ष्य तभी फलीभूत हो सकते है जब भारत आर्थिक रूप से सुदृढ और सुरक्षित हो, स्वस्थ हो। इसीलिये नेहरू जी ने सिचाई परियोजनाओं के साथ बड़े कल कारखानो की नींव साथ में रखी। नेहरू जी ने विज्ञान और संस्कृति के सामंजस्य वाले भारत की कल्पना की थी। यही कारण था कि उन्होंने देश में आईआईएम, आईआईटी जैसे अभियांत्रिकी प्रबन्ध संस्थानों से लेकर बेहतरीन चिकित्सा संस्थान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की स्थापना की। पंडित नेहरू के बाद की कांग्रेस सरकारों ने उनके द्वारा स्थापित इस मजबूत नींव पर आधुनिक भारत की शानदार इमारत की स्थापना पर कोई कसर नही छोड़ी।

नेहरू जी के बाद शास्त्री जी के समय अनाज की उपलब्धता बढ़ाई, देश की सुरक्षा को लक्ष्य रख कर जय जवान जय किसान का नारा दिया गया। इंदिरा जी हरित क्रांति, बीस सूत्री कार्यक्रम, अंतरिक्ष कार्यक्रम, परमाणु कार्यक्रम से सुदृढ़ भारत के लक्ष्य को प्राथमिकता में रखा। राजीव गांधी जब भारत के प्रधानमंत्री बने तब देश को 21वीं सदी की ओर ले जाने के लिए कांग्रेस की प्राथमिकता में सूचना प्रोद्योगीकी और कम्प्यूटर क्रांति थी, मतदान की आयु 21 से घटाकर 18 करके युवाओं को लोकतंत्र के महापर्व में शामिल होने का अवसर दिया, पंचायतों को सशक्तीकरण कर सत्ता के विकेंद्रीकरण का मार्ग भी खोला गया। पीवी नरसिंहराव जी के समय आर्थिक उदारीकरण को अपना कर वैश्विक व्यापारिक जगत में भारत को मजबूती से खड़ा करने का प्रयास किया गया। यूपीए चेयर पर्सन श्रीमती सोनिया गांधी के मार्गदर्शन तथा मनमोहन सिंह के नेतृत्व में आर्थिक सुधारों के साथ खाद्य सुरक्षा कानून, सूचना के अधिकार, महात्मा गांधी रोजगार गारंटी, शिक्षा का अधिकार, भू–अधिग्रहण जैसे कानूनों को लाकर कांग्रेस ने आम आदमी के जीवन स्तर को सुधारने का प्रयास किया।

2014 में केंद्र की सत्ता तथा 2023 में राज्य की सत्ता हाथ से जाने के बाद कांग्रेस एक सजग विपक्ष की भूमिका निभा रही है। बहुमत के अतिवादी चरित्र का विरोध जिस बेबाकी और निडरता से सोनिया गांधी, राहुल गांधी, खड़गे जी कर रहे है वह कांग्रेस के उन्ही मूल्यों उपज है जिन मूल्यों को लेकर कांग्रेस ने दुनियां के सबसे बड़े लोकतांत्रिक आंदोलन और भारत के सबसे बड़े राष्ट्रवादी आंदोलन से भारत की आजादी की लड़ाई को लड़ा था। लोकतांत्रिक प्रक्रिया अपनाकर पाटऐं के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे अनुभवी शख्स को पार्टी के निचले पायदान ब्लाक अध्यक्ष से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाना कांग्रेस जैसे दल में ही संभव है। आजादी की लड़ाई का प्रमुख हथियार नेशनल हेराल्ड तथा यंग इंडिया जैसे देश और कांग्रेस की अमूल्य धरोहरों को लेकर केंद्र की सत्तारूढ दल भाजपा के द्वारा षड़यंत्र किया गया। कांग्रेस के नेतृत्व पर प्रहार किया गया। आजादी की लड़ाई के इन प्रतिमानों यंग इंडिया और नेशनल हेराल्ड को बचाने के प्रयासों को ही अपराध साबित करने की कुचेष्टा की गई, लेकिन अदालत में यह षड़यंत्र बेनकाब हो गया।

कांग्रेस की मनमोहन सरकार ने देश के मजदूरों और वंचित वर्ग के लोगों को रोजगार मुहैया कराने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आदर्श के अनुरूप मनरेगा कानून का निर्माण किया था, वर्तमान केंद्र सरकार ने मनरेगा कानून की मूल आत्मा को नष्ट करने के लिए संसद में नया विधेयक पारित करवाया। इस कानून में महात्मा गांधी के नाम को हटा दिया गया। साथ ही मनरेगा कानून में मजदूरों के लिए रखे गये प्रावधानों को खत्म कर दिया गया। कांग्रेस महात्मा गांधी के विचारों के अनुरूप देश के अंतिम आदमी के साथ हमेशा खड़ी रही है। ऐसे तत्वों को ऐसी कुचेष्टा का हमेशा से विरोध करती रही है। इस षड़यंत्र से कांग्रेस का देश में सर्वधर्म समभाव, सर्वजनहिताय के लक्ष्य को प्राप्त करने का ईरादा कमजोर नहीं होगा।

(लेखक छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष हैं)

अल-कायदा बढ़ा रहा भारत में अपना प्रभाव निकाला है नया तरीका

डिजिटल तरीके से चलने वाले कट्टरपंथी मॉडल पर किया है फोकस

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में आतंकी हमले के बाद से आतंकियों के वाइट कॉलर मॉड्यूल को लेकर सुरक्षा एजेंसियां चौकन्ना हो गई हैं। इस बीच खबर है कि भारत में आतंकी संगठन अल-कायदा नेटवर्क भी अपने मॉड्यूल शिफ्ट कर रहा है। अल-कायदा भारत में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए डिजिटल तरीके से चलने वाले कट्टरपंथी मॉडल की ओर बढ़ रहा है।

संगठन त्वरित हिंसा की बजाय वैचारिक प्रभाव को अधिक प्राथमिकता दे रहा है। भारत में जिस तरह से युवाओं में स्मार्टफोन और इंटरनेट की पहुंच बढ़ी है, ऐसे में आतंकी संगठन ऑनलाइन आजादी का इस्तेमाल अपनी लॉन्ग टर्म

त्वरित हिंसा की बजाय वैचारिक प्रभाव को दे रहा प्राथमिकता

भारत में आतंक फैलाने का निकाला है नया तरीका

जुबैर की गिरफ्तारी से मिली जानकारी

अक्टूबर 2025 में, पुणे एंटी-टेररिज्म स्क्वाड (एटीएस) ने 35 साल के सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल जुबैर इलियास हंगरगेकर को गिरफ्तार किया था। जुबैर अल-कायदा और उसके दक्षिण एशियाई संगठन, अल-कायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट (एक्यूआईएस) से कथित रूप से जुड़ा था। उसकी गिरफ्तारी गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत की गई थी। एक रिपोर्ट में जांचकर्ताओं के हवाले से कहा गया है कि हंगरगेकर के डिजिटल फुटप्रिंट गहरे वैचारिक कट्टरपंथ की ओर इशारा करता है। इसमें एनक्रिप्टेड कम्युनिकेशन, आर्काइव किया गया प्रोपेगेंडा मटेरियल, और कई क्लोज्ड ग्रुप्स में उसकी संलिप्तता सामने आई है। अधिकारियों को यह भी पता चला कि वह खास टूल्स और विदेशी आईपी रूटिंग का इस्तेमाल कर रहा था। इनमें से कुछ अफगानिस्तान और हांगकांग से जुड़े थे। इसके बाद और गहरी फोरेंसिक जांच की गई। इन नतीजों के आधार पर, पुणे एटीस ने गिरफ्तारी से पहले उसे चुपके से निगरानी में रखा था।

एक चिंताजनक पैटर्न

रिपोर्ट के अनुसार टॉप इंटेलिजेंस अधिकारियों का कहना है कि हंगरगेकर की प्रोफाइल दूसरे हालिया गिरफ्तारियों में देखे गए एक चिंताजनक पैटर्न से मिलती है। इसमें जम्मू-कश्मीर मूल के आतंकी मॉड्यूल से जुड़े डॉक्टर भी शामिल हैं। दोनों तरह के मामले एक वाइट-कॉलर, डिजिटल रूप से कट्टरपंथी रंगरूट के उदय को उजागर करते हैं। इसमें ऐसे लोग सामने आ रहे हैं जो पढ़े-लिखे, सम्मानित है। इनका कोई पिछला आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। ये लोग पारंपरिक आतंकवाद विरोधी निगरानी सीमाओं से नीचे काम कर रहे हैं। एजेंसियों का कहना है कि यह कोई संयोग नहीं है। अल-कायदा जानबूझकर ऐसे व्यक्तियों की ओर आकर्षित हो रहा है जिनके पास पेशेवर वैधता, विश्वसनीयता और नेटवर्क तक पहुंच है। इन रंगरूटों के बारे में माना जाता है कि उन पर शक होने की संभावना कम है। इस तरह के लोग चुपचाप बातचीत करने में अधिक सक्षम हैं। इसके अलावा, क्लोज्ड ग्रुप्स में वैचारिक सामग्री पहुंचाने में अधिक प्रभावी हैं।

यह है अल-कायदा का प्लान

रिपोर्ट में इंटेलीजेंस के हवाले से लिखा गया है कि अल-कायदा भारत को तुरंत ऑपरेशनल इस्तेमाल के लिए नहीं, बल्कि एक लॉन्ग-टर्म वैचारिक मंच के तौर पर देखता है, जहां वह नैरेटिव गढ़ सकता है। अपने लिए हमदर्द पैदा कर सकता है और धीरे-धीरे अलग-थलग ऑनलाइन कम्युनिटी बना सकता है। यह तरीका ग्रुप से जुड़े लोगों को जल्दी पकड़े जाने से बचाता है। साथ ही, धीरे-धीरे वैचारिक मजबूती से असर डालना, ऐसे रंगरूट तैयार करना में मदद करता है जो बाहरी तौर पर 'नॉर्मल' और समाज में घुले-मिले दिखें। इसके अलावा खुली मिलिटेंसी के बजाय पढ़े-लिखे लोगों की विश्वसनीयता पर भरोसा करना।

महाराष्ट्र का सियासी रण

पुणे में ठाकरे ब्रदर्स के साथ कांग्रेस की दोस्ती, मुंबई में किया किनारा

इस चुनाव में गठबंधन के सारे समीकरण हो गए हैं उलट-पुलट

बीजेपी के अगुवाई वाले महायुति और विपक्षी महाविकास अघाड़ी दोनों में टूट

बीएमसी और पीएमसी चुनाव में तीन गठबंधन आजमा रहे किस्मत

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

महाराष्ट्र में हो रहे बीएमसी सहित 29 नगर निगम चुनाव में गठबंधन के सारे समीकरण को उलट-पुलट कर रख दिया है। बीजेपी के अगुवाई वाले महायुति और विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी दोनों में टूट पड़ गई है। इस तरह राज्य में एक नया तीसरा गठबंधन भी आकार लेता दिख रहा है।

बीजेपी ने एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ अपनी दोस्ती बनाए रखी तो अजित पवार की एनसीपी से किनारा कर लिया। ऐसे में अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार की पार्टी से हाथ मिला लिया है। मुंबई में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के गठबंधन पर महायुति से अलग होने वाले कांग्रेस ने पुणे उसी ठाकरे ब्रदर्स के साथ हाथ मिला लिया है। मुंबई का नगर निगम, जिसे बीएमसी के नाम से जाना जाता है। इसी तरह के पुणे नगर निगम को पीएमसी के नाम से जाना जाता है। इन दोनों बड़े शहरों में तीन-तीन गठबंधन चुनावी मैदान में किस्मत आजमा रहे हैं।

ठाकरे ब्रदर्स के साथ आई कांग्रेस

इधर, पुणे में बीजेपी और शिंदे का तो अजित पवार का शरद पवार के साथ बनती सियासी केमिस्ट्री को देखते हुए कांग्रेस ने ठाकरे ब्रदर्स के साथ गठबंधन करने का फैसला किया है जबकि मुंबई के बीएमसी चुनाव में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के गठबंधन से कांग्रेस ने किनारा लिया है, लेकिन पुणे के पीएमसी चुनाव में ठाकरे ब्रदर्स के साथ मिलकर चुनाव लड़ने पर रजामंदी दे दी है। पुणे नगर निगम चुनाव में कांग्रेस अब उद्धव की शिवसेना (यूबीटी) और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के साथ किस्मत आजमाएंगी। महाराष्ट्र में स्थानीय स्तर पर तीसरा गठबंधन कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और मनसे के साथ बनता दिख रहा है। कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि पुणे में पार्टी अजित पवार गुट के साथ गठबंधन नहीं करेगी।

बीजेपी-शिंदे का पहला गठबंधन

महाराष्ट्र में सीएम देवेंद्र फड़णवीस के नेतृत्व वाले महायुति में बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी शामिल है। तीनों ही दल मिलकर 2024 का लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़े थे, लेकिन नगर निगम चुनाव में यह दोस्ती बिखर गई है। बीएमसी सहित राज्य के बाकी के नगर निगम चुनाव में बीजेपी ने अजित पवार से किनारा कर लिया है। बीजेपी ने एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ मिलकर बीएमसी सहित 29 नगर निगम का चुनाव लड़ रही है, लेकिन अजित पवार की एनसीपी इस चुनाव में महायुति का हिस्सा नहीं है।

अजित से नहीं बनी बात, शरद गुट फिर एमवीए में करेगा वापसी

महाराष्ट्र में पुणे महानगरपालिका (पीएमसी) चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-एसपी) ने अजित पवार गुट के साथ गठबंधन की बातचीत टूटने के बाद महाविकास आघाड़ी (एमवीए) से फिर वार्ता शुरू कर दी है। पार्टी नेताओं की देर रात तक चली मैराथन बैठकों के बाद यह फैसला लिया गया। पिछले सात दिनों से दोनों एनसीपी गुटों के बीच पीएमसी चुनाव के लिए संभावित गठबंधन पर चर्चा चल रही थी, लेकिन बातचीत अंततः असफल रही। सूत्रों का कहना है कि अजित पवार ने जोर दिया कि शरद पवार गुट के समर्थित उम्मीदवार केवल 'घड़ी' चुनाव चिह्न पर ही चुनाव लड़ें। साथ ही उन्होंने एनसीपी-एसपी की 68 सीटों की मांग भी खारिज कर दी।

बेलारूस में मिसाइलें तैनात करेगा रूस, यूरोपीय देशों में 'घबराहट'

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

रूस की वजह से यूरोप के कई देश अपना रक्षा बजट को तेजी से बढ़ा रहे हैं। बीते तीन साल से अधिक समय से यूक्रेन और रूस की जंग की वजह से यूरोप में सुरक्षा खतरा बढ़ता जा रहा है।

अब जानकारी आई है कि रूस अब पूर्वी बेलारूस में एक पुराने एयरबेस पर परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम नई हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइलें तैनात करने की तैयारी कर रहा है। अमेरिका के दो शोधकर्ताओं ने सैटेलाइट तस्वीरों के अध्ययन के आधार पर यह दावा किया है। इससे यूरोप की सुरक्षा पर और दबाव बढ़ गया है, स्विटजरलैंड सहित कई देश चिंतित हो उठे हैं।

यहां होगी तैनाती

कैलिफोर्निया स्थित मिडलबरी इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के जेफ्री लुईस और वर्जीनिया स्थित सीएनए रिसर्च एंड एनालिसिस ऑर्गनाइजेशन के डेकर एवल्थ ने प्लानेट लेब नाम की कमर्शियल सैटेलाइट कंपनी की तस्वीरों का विश्लेषण किया है। इन्होंने दावा किया है कि मोबाइल ओरेशनिक मिसाइल लॉन्चर बेलारूस के क्रिचेव शहर के पास स्थित

स्विटजरलैंड बोला- हमला हुआ तो नहीं दे पाएंगे जवाब

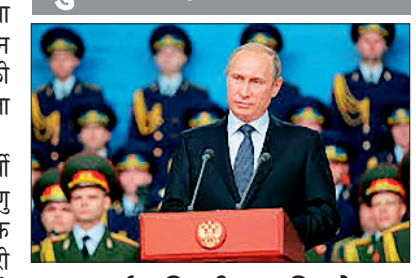

न्यू स्टार्ट संधि की समाप्ति से पहले बड़ा कदम

ओरेशनीक की संभावित तैनाती ऐसे वक्त पर सामने आई है, जब 2010 की न्यू स्टार संधि के खत्म होने में सिर्फ कुछ हफ्ते बचे हैं। यह अमेरिका और रूस के बीच आखिरी बड़ी संधि है, जो रणनीतिक परमाणु हथियारों की तैनाती को सीमित करती है। यह शीत युद्ध के बाद पहली बार होगा, जब रूस अपने क्षेत्र से बाहर परमाणु हथियारों की तैनाती करेगा।

स्विटजरलैंड बोला- हमला हुआ, तो नहीं दे पाएंगे जवाब : रूस के हालिया कदम से जर्मनी, फ्रांस, स्विटजरलैंड जैसे कई यूरोपीय देश सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। स्विट्जरलैंड के सशस्त्र बलों के प्रमुख थॉमस सुसली ने कहा है कि अगर स्विट्जरलैंड पर फुल-स्केल सैन्य हमला होता है तो वह ख़ुद को डिफ्रेंड नहीं कर सकेगा। मौजूदा हालात में हमें रक्षा बजट में इजाफा करने की जरूरत है।

एक्टर अल्लू अर्जुन समेत 23 के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

एजेंसी ⏭ हैदराबाद

तेलंगाना के चिक्कड़पल्ली पुलिस ने पुष्पा 2 फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान संध्या थिएटर में हुई भगदड़ के मामले में 23 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है, जिसमें अभिनेता अल्लू अर्जुन, उनके निजी बाउंसर और थिएटर स्टाफ के नाम शामिल हैं। 4 दिसंबर 2024 को हैदराबाद के आरटीसी क्रॉस रोड स्थित संध्या थिएटर में पुष्पा 2: द रूल की प्रीमियर स्क्रीनिंग के दौरान अल्लू अर्जुन के आने की अफवाह पर भारी भीड़ उमड़ आई। इससे भगदड़ मच गई, जिसमें रेवती नामक एक महिला की मौत हो गई और उनके 8 वर्षीय बेटे श्रीतेज को गंभीर चोटें आईं, जो

पुष्पा 2 स्टाम्पेड केस

अभी भी इलाजरत है। पुलिस ने थिएटर मैनेजमेंट को मुख्य आरोपी ठहराया, क्योंकि अलग एंट्री-एग्जिट न होने और भीड़ नियंत्रण की कमी थी। चिक्कड़पल्ली पुलिस ने लगभग 100 पेज की चार्जशीट नम्पल्ली कोर्ट में दाखिल की, जिसमें थिएटर मैनेजमेंट को आरोपी नंबर 1 बनाया गया। अल्लू अर्जुन आरोपी नंबर 11 हैं, साथ ही उनके प्राइवेट सिक्योरिटी स्टाफ, मैनेजर, 3 मैनेजर और 8 बाउंसर शामिल हैं। भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 105, 118(1), 304-A (लापरवाही से मौत) और सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालने के आरोप लगाए गए।

पिछले साल का है मामला

घटना के बाद अल्लू अर्जुन को 13 दिसंबर 2024 को गिरफ्तार किया गया, लेकिन जमानत पर रिहा कर दिया गया। चिक्कड़पल्ली एसीपी रामेश कुमार ने जांच की, जिन्होंने बताया कि पुलिस ने अर्जुन के मैनेजर संतोष को स्थिति नियंत्रण से बाहर होने की सूचना दी थी।

प्रधानमंत्री का हारना भारत के हारने जैसा : थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक चैनल से बातचीत में पाकिस्तान की राजनीति, अर्थव्यवस्था, चीन के प्रभाव और क्षेत्रीय सुरक्षा हालात पर राय रखी। उन्होंने कहा, विदेश नीति भाजपा या कांग्रेस की नहीं, भारत की होती है। अगर राजनीति में कोई प्रधानमंत्री की हार पर खुश होता है, तो वह भारत की हार की खुशी मना रहा होता है।

उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू के शब्दों को याद करते हुए कहा, 'अगर भारत मर गया, तो कौन जिएगा?' थरूर ने कहा कि भारत को पाकिस्तान से आने वाले सुरक्षा खतरों को हल्के में नहीं लेना चाहिए। पाकिस्तान अपनी सैन्य रणनीति बदल रहा है।

वह अब हाइपरसोनिक मिसाइल तकनीक और छिपकर हमला करने की नीति पर जोर दे रहा है। थरूर ने कहा- पाकिस्तान पहले ड्रोन, रॉकेट और मिसाइल हमलों का सहारा ले चुका है और अब वह और ज्यादा खतरनाक तकनीकों की ओर बढ़ रहा है। पाकिस्तान की यह नई सैन्य नीति ऐसी नहीं है, जिसे भारत नजरअंदाज कर सके। पाकिस्तान की आंतरिक स्थिति पर बात करते हुए थरूर ने उसे एक बेहद समस्याग्रस्त देश बताया। उन्होंने कहा कि वहां नाम मात्र की नागरिक सरकार है, असली ताकत सेना के हाथ में है। नीति निर्धारण में सेना का दबदबा रहता है और उसी के हिसाब से फैसले होते हैं।

मेडिकल रिपोर्ट आई, आईटी मैनेजर से गैंगरेप की पुष्टि

एजेंसी ⏭ उदयपुर

राजस्थान के उदयपुर में एक कार में एक आईटी फर्म की महिला मैनेजर के साथ हुए गैंगरेप के मामले में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। मामला 20 दिसंबर का है। गैंगरेप पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट करवाई गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इसमें रेप की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट में पीड़िता के प्राइवेट पार्ट्स और शरीर के दूसरे हिस्सों पर जख्म देखने को मिले हैं। साथ शरीर के कई हिस्सों में दर्द होने का भी जिक्र किया गया है। वहीं, पीड़िता ने पुलिस शिकायत में कहा कि उसके कुछ जेवर, मोजे और अंडरगारमेंट्स भी गायब थे। इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। जिन्हें गिरफ्तार किया गया है, उनमें जीकेएम आईटी के सीईओ जितेश प्रकाश सिसोदिया, फर्म की वुमेन एग्जीक्यूटिव हेड शिल्पा सिरोही, और उसके पति गौरव सिरोही शामिल है। पुलिस शिकायत में, पीड़िता ने आरोप लगाया कि जितेश और गौरव ने बारी-बारी उसके साथ रेप किया।

उदयपुर का मामला

सीईओ, वुमेन एग्जीक्यूटिव हेड हुए हैं गिरफ्तार

20 दिसंबर की घटना

20 दिसंबर को, पीड़िता कंपनी के सीईओ जितेश प्रकाश सिसोदिया की जन्मदिन पार्टी में शामिल हुई थी। यह पार्टी उदयपुर के शोभागपुरा स्थित एक होटल में थी। वहां से घर लौटते समय कार में गैंगरेप हुआ।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
नववर्ष विशेष 2026
रविवार
28 दिसंबर 2025
4
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

नवारंभ का संदेश लेकर नववर्ष द्वार पर खड़ा है। उसका स्वागत हम पूरे उत्साह-उमंग के साथ अवश्य करें। साथ ही आगामी नववर्ष में न केवल अपने जीवन को, अपने से जुड़े लोगों, समाज और पर्यावरण को बेहतर बनाने का संकल्प भी जरूर लें। न केवल संकल्प लें, उसे क्रियान्वित करने के लिए भी समग्र ऊर्जा से सक्रिय रहें। तभी आगामी वर्ष में चहुंओर नवचेतना का संचार होगा।

आवरण कथा
कुमार राधारमण

नववर्ष में हम करें नवचेतना का संचार

वर्तमान साल बीत रहा है। नए साल ने दस्तक दे दी है। नया साल सिर्फ कैलेंडर का बदल जाना नहीं होता है। यह बीत रहे साल की समीक्षा का अवसर भी है। हम सबकी कुछ अच्छी और कुछ कड़वी यादें इससे जुड़ी होंगी। नया साल विगत की अनुकूल स्मृतियों को सहेजने, उसे नए साल में नई ऊंचाइयां देने का अवसर है। यह प्रतिकूलताओं से सबक लेने का मौका है। जीवन की हर घटना सीखने का अवसर भी होती है। हम सब कई बार चूकते हैं। हमारी चूक निराशा का कारण न बने, हम अपनी गलतियों से सीखें। इसी में वर्तमान का उल्लास भी है और भविष्य का सुनहरा स्वप्न भी।

बनाए रखेंगे सकारात्मक दृष्टिकोण: नया साल, नए उत्साह, नई संभावनाओं, नए सपनों और नए संकल्पों को नए पंख देने का अवसर है। जीवन में हमेशा एक नई शुरुआत संभव है। बीत रहा साल चाहे जैसा रहा हो, नए साल में हम अपनी कहानी फिर से लिख सकते हैं। हर नए दिन का उपयोग हम अपने लक्ष्य के करीब जाने के लिए कर सकते हैं। यह सकारात्मक सोच से ही संभव होगा, क्योंकि चुनौतियों को अवसर में बदलने की क्षमता तभी विकसित होती है। हर समस्या, अपना समाधान भी लिए होती है। इसलिए,

बीता साल जैसा भी रहा, उसे धन्यवाद दें कि हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण प्रसंग उपस्थित हुआ। धन्यवाद इसलिए कि बीते साल की सफलताओं ने हमको आत्मविश्वास दिया, खुशियां दीं और असफलताओं ने हमको मजबूत, संवेदनशील और समझदार बनाया।

प्रकृति नित नूतन है। यह नूतनता पुराने के प्रति आग्रह छोड़ने का निमंत्रण है। विगत चाहे स्वर्णकाल रहा हो, हमारी आज की चुनौतियां नई हैं और हमें आज की परिस्थितियों में निखरने के लिए हमेशा अपने मन के द्वार नए के लिए खुले रखने होंगे। विकास की यही परिभाषा है। सिर्फ व्यापार को ही नहीं, मन को भी मुक्त करने की जरूरत है। सभी समस्याओं की जड़ भूत और भविष्य से बंधा हमारा मन ही है, जबकि चुनौतियां वर्तमान की हैं। मुक्त मन समावेशी तो होता ही है, दूसरों की मुक्ति के द्वार भी खोलता है।

सीखेंगे नित नए कौशल: तेजी से बदलती इस दुनिया में निरंतर सीखना और अपना कौशल विकास करते रहना जरूरी है। व्यस्तता हमें अनचाहे ही अकसर अपने प्रियजनों से दूर कर देती है। वास्तविक दुनिया के लोगों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना भी हमारा संकल्प हो। इससे क्षमाभाव मजबूत होगा, पुरानी कड़वाहट दूर होगी, संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी, मन हल्का और खुश रहेगा। अपने लिए यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करें। बड़े सपने देखें, बशर्ते उसे कार्यरूप देने का सामर्थ्य भी हम में हो।

तन-मन का रखेंगे ध्यान: स्वास्थ्य से बढ़कर कुछ भी नहीं। संतुलित आहार और पर्याप्त नींद भी हमारे संकल्प का हिस्सा हो। मौजूदा उन्मादी दौर में मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है। तनाव प्रबंधन सीखना और सकारात्मक मानसिकता विकसित करना आधुनिक जीवन की आवश्यकता है। हर हाल में अच्छाई खोजना और आशावादी रहना जीवन को रूपांतरित कर देता है। हम सक्षम हैं और सफल होने के योग्य हैं, यह विश्वास सदा बना रहे। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन है कि न तो सफलता अंतिम होती है, न असफलता घातक होती है, असली बात यह है कि आपमें जारी रखने का साहस है या नहीं।

धनार्जन भी है जरूरी: धन भी महत्वपूर्ण है। गरीब रखने वाली विचारधारा से दूर रहें। वित्तीय लक्ष्य तय करें। बचत और निवेश बुद्धिमत्तापूर्वक करें। अनावश्यक खर्चे कम करना भी धन अर्जित करना ही है। लेकिन भविष्य की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयास वर्तमान को जाया न कर दें। भविष्य

अनिश्चितताओं से भरा है। अगली पीढ़ी के लिए सब सोचना आपका ही दायित्व नहीं है, अगली पीढ़ी खुद भी अपने लिए करेगी ही। आप अपने वर्तमान को स्वर्णिम बनाएं। जब आप खूब धन कमा लेंगे, एक दिन वही धन ऊब पैदा करने लगेगा। भौतिक धन परमधन को पाने का साधन मात्र रहे। पावर ऑफ मेनिफेस्टेशन का उपयोग केवल धन को आकर्षित करने के लिए न करें। हमारे पास जो कुछ भी है, उसके प्रति कृतज्ञता से जीवन में अच्छाई को आकर्षित करना भी सीखें।

रहेंगे खुद के करीब: समय धन से भी अधिक कीमती है। इसका सदुपयोग करें। आलस्य छोड़ें, तभी हम अधिक उत्पादक और सफल बन पाएंगे। आलस्य छोड़ने का मतलब हर समय व्यस्त रहना नहीं है। आराम और मनोरंजन भी महत्वपूर्ण हैं। संतुलन चाहिए। आत्म-प्रेम समग्र विकास के लिए जरूरी है। अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए समय निकालना हमारे जीवन को समृद्ध बनाता है। लिहाजा, रोजमर्रा के जीवन में कुछ पल ऐसे जरूर हों, जो नितांत निजी हों, जिसमें मोबाइल की भी दखल न हो। अपने लिए समय निकालना जरूरी है। लेकिन यह औरों के बनाए रील्स देखने के लिए न हो। यह समय अपनी पसंद के काम करने, किताबें पढ़ने, संगीत सुनने, ध्यान करने या प्रकृति से जुड़ने का हो जो हमको तरोताजा कर दे।

समाज-पर्यावरण का रखेंगे ध्यान: सभ्य नागरिक अपने समाज और पर्यावरण के प्रति भी जिम्मेदार होता है। हमारी पृथ्वी रहने लायक बनी रहे, आने वाली पीढ़ियों के लिए हम आदर्श बनें, नया साल इस संकल्प से भरने का समय भी है। जरूरतमंदों की मदद और सामाजिक कार्यों में भागीदारी आंतरिक संतुष्टि देती है। अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलें और नई चीजें आजमाने का साहस रखें। जीवन एक साहसिक यात्रा है और नए अनुभव हमें जीवंत और उत्साहित रखते हैं। सच्ची खुशी और संतुष्टि अनुभव, रिश्ते और भीतरी शांति ही देती है।

शांति के लिए करेंगे प्रयास: इस समय दुनिया भर में राजनीतिक और आर्थिक कारणों से अस्थिरता, अनिश्चितता का माहौल है। भय और चिंता के इस परिदृश्य में, अंतर्मंथन की जितनी जरूरत आज है, पिछले कुछ दशकों में शायद ही रही हो। युद्धों की आहट अनेक आशंकाएं पैदा कर रही हैं। हमारी वास्तविक जरूरत शांति है। शांत मन ही गहरी से गहरी समस्या का सम्यक समाधान तलाश सकता है और एक बेहतर जीवन की ठोस आधारशिला तैयार कर सकता है। विश्व शांति किसी धर्म या हथियार से नहीं, बल्कि जागरूकता से, हृदय से आ सकती है और उसका मार्ग ध्यान है। इसी से मनुष्य, मनुष्य से जुड़ा महसूस करेगा। प्रतिकूल समय में ही ज्ञान, धर्म, साहस और ऊर्जा की परीक्षा होती है। असली ज्ञान, ऊर्जा, धर्म और पराक्रम यह है कि हम जहां भी हों, वहां के आस-पास की प्रकृति कोमल हो जाए। हम जिनके बीच रहें, उनकी भलाई स्वतः प्रकट होने लगे। हमारे भीतर इतनी गहरी शांति उतर आए कि सबके प्रति एक स्वीकार भाव हो। हम इसके लिए अपने स्तर पर अवश्य प्रयास करेंगे, ऐसा संकल्प जरूर लें। तब निश्चय ही आगामी वर्ष खुशहाली से भरपूर होगा। *

विशेष : वैश्विक परिवार दिवस, 1 जनवरी

वर्ष का पहला दिन यानी 1 जनवरी को पूरी दुनिया में ग्लोबल फैमिली-डे मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य परिवार की महत्ता को समझना और पारिवारिक प्रेम-सौहार्द की भावना को व्यक्तिगत जीवन से लेकर समाज, देश ही नहीं पूरे विश्व में प्रसारित करना है।

व्यक्तिगत से वैश्विक कुटुंब तक बना रहे प्रेम-सौहार्द-शांति

आह्वान / शिखर चंद जैन

हर वर्ष 1 जनवरी को ग्लोबल फैमिली-डे यानी वैश्विक परिवार दिवस मनाया जाता है। यह दिन दुनिया भर के लोगों को एक बड़े वैश्विक परिवार के रूप में जोड़ने के साथ ही उनमें शांति, एकता, प्रेम और सौहार्द के मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है।

भारत की प्राचीन अवधारणा: हमारे देश में तो प्राचीन काल से ही 'वसुधैव कुटुंबकम' की अवधारणा को महत्व दिया जाता रहा है। लेकिन आधुनिक विश्व में ग्लोबल फैमिली-डे मनाने की शुरुआत, संयुक्त राष्ट्र के 'शांति के एक दिन' की विचारधारा से हुई थी। इसे देश, धर्म या नस्ल की सीमाओं से परे सभी लोगों द्वारा मिलकर मनाया जाता है। इस प्रकार यह दिन प्रेम और सद्भाव फैलाने पर जोर देता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हम सब एक वैश्विक गांव के ही सदस्य हैं और हमें सभी मतभेदों को भुलाकर एक परिवार की तरह रहना चाहिए। इसके तहत सभी को प्रेम, शांति और सौहार्द के साथ रहना सिखाया जाता है। दुनिया में शांति और सद्भाव को बढ़ावा देना और युद्ध-हिंसा से बचाना इसका मूल उद्देश्य है।

कब-कैसे हुई शुरुआत: वैश्विक परिवार दिवस मनाने का विचार पिछली सदी में एक किताब से आया था। इसकी शुरुआत 1990 के दशक के अंत में हुई, जब 1997 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2000 को 'शांति की संस्कृति के लिए अंतरराष्ट्रीय दशक और विश्व के बच्चों के लिए अहिंसा' के रूप में घोषित किया। इस अवधारणा को स्टीव डायमंड और एलन सिल्वरस्टीन द्वारा लिखित बच्चों की एक किताब 'वन डे इन पीस, जनवरी 01, 2000' से प्रेरणा मिली। इस कहानी में एक ऐसी दुनिया की कल्पना की गई थी, जहां लोग 1 जनवरी को अपने सभी मतभेदों को एक तरफ रख देते हैं और भाईचारे की भावना का जश्न मनाते हैं। इसने 'शांति का एक दिन' समारोह की शुरुआत की। 1999 में, संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों को शांति लाने के लिए वर्ष का पहला दिन समर्पित करने का औपचारिक निमंत्रण मिला। 2001 में, संयुक्त राष्ट्र ने आधिकारिक तौर पर इस दिन को मान्यता दी, और तब से हर साल 1 जनवरी को यह दिवस मनाया जाता है।

मनाती है पूरी दुनिया: वैश्विक परिवार दिवस का उत्सव भौगोलिक सीमाओं से बंधा नहीं है, बल्कि यह एक वैचारिक उत्सव है। इसे किसी एक देश का पर्व मानने के बजाय, मानवता के प्रति एक वैश्विक दृष्टिकोण के रूप में मनाया जाता है। वैश्विक परिवार दिवस सरल, सार्थक कार्यों के बारे में ध्यान आकर्षित करता है, जो घर परिवार से लेकर वैश्विक एकता की भावना को दर्शाता है।

परिवार के संग मनाएं यह दिन: यह दिन संघर्षों को भूलकर, एक-दूसरे के प्रति आभार व्यक्त करने और प्रेम फैलाने पर जोर देता है। इस पूरे दिन आप अपने परिवार के साथ समय बिता सकते हैं। इसके लिए परिवार के सदस्य एक साथ भोजन कर सकते हैं, कोई सामूहिक खेल, खेल सकते हैं या एक-दूसरे से बात करते हुए अच्छा समय गुजार सकते हैं। आप चाहें तो इस दिन को सामुदायिक सेवा के लिए स्वयंसेवा करके या वैश्विक स्तर पर शांति के लिए काम करने वाली संस्थाओं के लिए श्रमदान करके भी मना सकते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने ग्लोबल मित्रों की विभिन्न संस्कृतियों, उनकी परंपराओं, व्यंजनों या कहानियों को साझा करके वैश्विक विविधता की भावना को मजबूत किया जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस से अलग: हालांकि इस दिन को मनाने की शुरुआत मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में हुई, लेकिन इसे अब दुनिया भर के लगभग हर देश के परिवारों द्वारा मनाया जाता है, जिसमें हर देश और संस्कृति के लोग शामिल होते हैं। इससे मिलता-जुलता एक और महत्वपूर्ण दिवस अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस (इंटरनेशनल डे ऑफ फैमिलीज) भी है, जो हर साल 15 मई को मनाया जाता है, इसे भी संयुक्त राष्ट्र ने ही घोषित किया था और यह भी परिवार के महत्व पर केंद्रित है। *

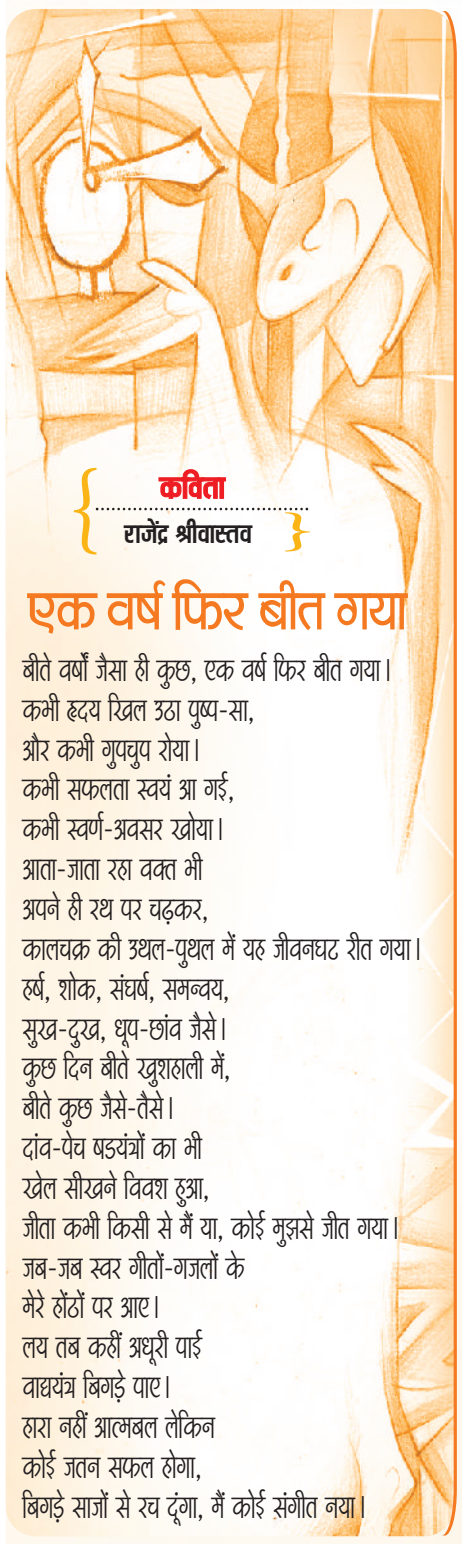

कविता
राजेंद्र श्रीवास्तव

एक वर्ष फिर बीत गया

बीते वर्षों जैसा ही कुछ, एक वर्ष फिर बीत गया।
कभी हृदय खिल उठा पुष्प-सा,
और कभी गुपचुप रोया।
कभी सफलता स्वयं आ गई,
कभी स्वर्ण-अवसर खोया।
आता-जाता रहा वक्त भी
अपने ही रथ पर चढ़कर,
कालचक्र की उथल-पुथल में यह जीवनघट रीत गया।
हर्ष, शोक, संघर्ष, समन्वय,
सुख-दुख, धूप-छांव जैसे।
कुछ दिन बीते खुशहाली में,
बीते कुछ जैसे-तैसे।
दांव-पेंच षड्यंत्रों का भी
खेल सीखने विवश हुआ,
जीता कभी किसी से मैं या, कोई मुझसे जीत गया।
जब-जब स्वर गीतों-गजलों के
मेरे होंठों पर आए।
लय तब कहीं अधूरी पाई
वाद्ययंत्र बिगड़े पाए।
हारा नहीं आत्मबल लेकिन
कोई जतन सफल होगा,
बिगड़े साजों से रच दूंगा, मैं कोई संगीत नया।

व्यंग्य / अंशुमाली रस्तोगी

ठंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ ठंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं।

ठंड और चोर

इन दिनों ठंड आतंक मचाए हुए है। रजाई से बाहर निकलने का मन नहीं करता। न नहाने का दिल करता है। जी करता है, पूरे टाइम रजाई में सिकुड़े पड़े रहो। लेकिन मैं दाद देता हूं उन चोरों को, जो भीषण ठंड में भी चोरी कर रहे हैं। ठंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ ठंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं। पापी पेट क्या-क्या नहीं करवा लेता। आज के जमाने में चोरी करना पाप कैसे कहा जा सकता है!

बदलते समय के साथ चोरी के तरीके भी काफी बदल गए हैं। कुछ चोरियां अब ऐसी भी हैं, जिनके लिए घर से बाहर निकलना ही नहीं पड़ता। वे घर बैठे-बैठे ही हो जाती हैं। ऑनलाइन ठगी (चोरी) में कहीं जाने की जरूरत नहीं। कहीं से भी बैठकर किसी के भी बैंक खाते से रुपए उड़ाए जा सकते हैं। ये चोर बेहद शातिर होते हैं। बातें बनाकर फंसाने में माहिर होते हैं। इधर सावधानी घटी, उधर काम तमाम हुआ। लेकिन ऑनलाइन चोर पारंपरिक चोरों की तरह मेहनती नहीं होते। माना कि ऑनलाइन चोरी में मुनाफा अधिक है किंतु जमीनी अनुभव न के बराबर है। ऐसी चोरी भला किस काम की, जिसमें हाथ-पैर न हिलाने पड़ें।

अब तो पारंपरिक चोरों ने भी ऑनलाइन चोरी का रास्ता पकड़ लिया है। वे भी अधिक मेहनत करने से कतराने लगे हैं। चोरी की लाइन में नई पीढ़ी जो आ रही है, उसका झुकाव ऑनलाइन ठगी की तरफ ज्यादा है। चोरी के नए-नए तरीके उसने ईजाद कर लिए हैं। फोन पर लोगों को उल्लू बनाकर खाते से पलभर में रुपया सफा-चट कर रहे हैं।

लेकिन मुझे तो जमीन से जुड़े पारंपरिक चोर ही अधिक पसंद हैं। वे चोरी करते हैं तो लगता है कि वास्तविक चोरी हुई है। चोरी की रपट लिखी जाती है। पुलिस मौका-ए-वारदात पर पहुंचती है। चोरी गई चीजों का हिसाब-किताब लगाया जाता है। ध्यान रहे, चोरी में गहने जरूर चुराते हैं। नकदी पर भी हाथ साफ किया जाता है। घर वालों, आस-पड़ोस, नौकर-चाकर से पूछताछ होती है। खबर अखबारों में छपती है। चार जन चाय और पान के खोके पर चर्चा करते हैं। मोहल्ले में दहशत का सा माहौल बनता है। चोरी होने वाले घर का दूर-दूर तक नाम होता है। कुछ भी कहिए, सीन पारंपरिक चोरी में ही बनता है।

विकट ठंड में चोरी कंपकंपी छुड़ा देती है। मगर पापी पेट की खातिर उन्हें यह करना पड़ता है। आखिर उनका भी परिवार है। उन्हें भी अपने शौक पूरे करने हैं। बीवी की पसंद और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का भी ध्यान रखना है। चोरों का भी दिल होता है। मैंने कहानियों में कई ऐसे चोरों के बारे में सुन रखा है, जो चोरी की कमाई गरीबों में बांट दिया करते थे। कभी निम्न वर्ग को परेशान नहीं करते थे। उनके टारगेट पर हमेशा धन्नासेठ ही रहा करते थे। कितने दयावान चोर थे वे। मेरा मानना है कि चोरी करना, कविता या व्यंग्य लिखने से कहीं कठिन काम है। जितनी अक्ल चोरी करने में लगानी पड़ती है न, उतनी गणित के सवाल हल करने में नहीं। लेकिन लोग हैं कि चोरों को हमेशा बद-दुआएं देते हैं। कभी उनका आदर-सम्मान नहीं करते। चोर हैं तो क्या, इंसान तो वे भी हैं। इतना तय है कि धरती से जैसे भ्रष्टाचार कभी नहीं मिट सकता, वैसे ही चोरी भी कभी खत्म नहीं हो सकती। चोरों में भी नई-नई नस्लें आती रहेंगी। नए-नए तरीके चोरी के ईजाद किए जाते रहेंगे परंतु चोरियां खत्म कभी न होंगी। ठंड के मौसम में चोरी करना निश्चित ही कर्रा काम है। मेरे विचार में ऐसे वीर चोरों को कोई न कोई पुरस्कार भी जरूर मिलना चाहिए! नहीं क्या...! *

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466
www.nonsurgicalspinecentre.in

इस साल लार्ज कैप फंड रहे विनर लेकिन स्मॉल कैप ने किया निराश

■ लार्ज कैप ने निवेशकों को बेहतर सुरक्षा दी ■ रिटर्न के मामले में भी बाकी श्रेणी को पीछे छोड़ा ■ साल 2025 में बाजार में रहा उतार-चढ़ाव

हलचल @2025
बिजनेस डेस्क

लार्ज कैप फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से बड़े मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों में निवेश करता है, जो आमतौर पर देश की टॉप 100 कंपनियां होती हैं। ये कंपनियां अच्छी तरह से स्थापित, वित्तीय रूप से मजबूत और अक्सर अपने क्षेत्रों में बाजार के नेता होती हैं। लार्ज कैप फंड्स को स्थिरता और कम जोखिम के लिए जाना जाता है, जो उन्हें रूढ़िवादी निवेशकों के लिए एक अच्छा विकल्प बनाता है।

साल 2025 ने म्यूचुअल फंड निवेशकों को एक साफ संदेश दिया है कि स्थिरता ही असली ताकत है। सालभर बाजार में उतार-चढ़ाव और सेक्टोरल रोटेशन के बीच लार्ज कैप म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को न सिर्फ बेहतर सुरक्षा दी, बल्कि रिटर्न के मामले में भी बाकी कैटेगरी को पीछे छोड़ दिया। जहां लार्ज कैप फंड्स ने एक साल में औसतन 8.15% का रिटर्न दिया, वहीं स्मॉल कैप फंड्स निवेशकों के लिए सबसे बड़ी निराशा साबित हुए। यह साफ करता है कि 2025 में क्वालिटी, साइज और बैलेंस शीट की मजबूती हर मायने में हाई-रिस्क कैटेगरी पर भारी है। कैटेगरी वाइज देखें तो लार्ड एंड मिड कैप फंड, मल्टी कैप और मिडकैप फंड्स 2–3% के दायरे में ही सिमट गए, जबकि टेक्नोलॉजी सेक्टर फंड्स में 6.79% की गिरावट ने निवेशकों की उम्मीदों को झटका दिया। इसके उलट बैंकिंग और ऑटो-ट्रांसपोर्टेशन जैसे सेक्टोरल फंड्स ने 17% से ज्यादा का दमदार रिटर्न दिया, जिससे यह साफ हुआ कि 2025 स्टॉक-सेलेक्टिव और सेक्टर-ड्रिवन साल रहा। लार्ज कैप स्पेस में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, मिराए एसेट, मोतीलाल ओसवाल और महिंद्रा मैनुलिफ़ जैसे फंड्स ने 10–11% के आसपास रिटर्न देकर साल का अंत मजबूत नोट पर किया। कुल मिलाकर, 2025 का साल यह सबक देकर गया कि अनिश्चित बाजारों में लार्ज कैप फंड्स निवेशकों के लिए सबसे भरोसेमंद साथी साबित होते हैं।

लार्ज कैप फंड के फायदे

- **स्थिरता:** लार्ज कैप कंपनियां बाजार में उतार-चढ़ाव के प्रति कम संवेदनशील होती हैं।
- **सुसंगत प्रदर्शन:** ये कंपनियां लंबे समय में स्थिर रिटर्न प्रदान करती हैं।
- **निम्न जोखिम:** लार्ज कैप फंड्स में निवेश करने से जोखिम कम होता है।
- **डिविडेंड आय:** कई लार्ज कैप कंपनियां नियमित डिविडेंड वितरित करती हैं।
- **विविधीकरण:** लार्ज कैप फंड्स विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करते हैं, जिससे जोखिम कम होता है।

फ्लेक्सी-कैप फंड की पॉपुलैरिटी बढ़ी

फ्लेक्सी-कैप फंड्स का औसत रिटर्न भले ही कुछ कमजोर दिख रहा है, लेकिन इसकी पॉपुलैरिटी बढ़ी है। फ्रैंकलिन टेम्पलटन म्यूचुअल फंड की लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 12 महीनों में फ्लेक्सी-कैप फंड्स में सभी इक्विटी कैटेगरी में सबसे ज्यादा निवेश आया है। पिछले 12 महीनों में इन फंड्स में करीब 75,700 करोड़ का नेट निवेश दर्ज किया गया। इस कैटेगरी में निवेशकों ने जो खरीदा, उसमें बने रहे। यह दिखाता है कि निवेशक अब सिर्फ बाजार से जुड़े विकल्पों में ज्यादा पैसा नहीं लगा रहे, बल्कि ऐसे फंड भी चुन रहे हैं जो डायवर्सिफिकेशन और लचीलापन दोनों देते हैं। जैसे-जैसे म्यूचुअल फंड बैंक डिपॉजिट पर बढ़त बना रहे हैं, फ्लेक्सी-कैप फंड्स आने वाले समय में लंबी अवधि में संपत्ति बनाने की इस कहानी के केंद्र में बने रह सकते हैं।

एक साल में कितना रिटर्न कैटेगरीवाइज

फंड	रिटर्न
लार्ज कैप	8.15%
लार्ज एंड मिड कैप	1.96%
फ्लेक्सी कैप	3.26%
मल्टी कैप	1.98%
मिड कैप	2.76%
स्मॉल कैप	-5.31%
वैल्यू ओरिएंटेड	5.45%
ईएलएसएस	3.52%
सेक्टोरल-आटो एंड ट्रांसपोर्ट	17.32%
सेक्टोरल-बैंकिंग	17.42%
सेक्टोरल-फार्मा	0.04%
सेक्टोरल-टेक्नोलॉजी	-6.79%
थिमैटिक	2.52%

एक साल में टॉप लार्ज कैप फंड्स ये रहे

फंड्स	रिटर्न
आईसीआईसीआई प्रू	11.50%
निप्पॉन इंडिया इंडेक्स निफ्टी-50	11.40%
मीराए एसेट	11.00%
मोतीलाल ओसवाल	10.73%
महिंद्रा मैन्युलाइफ	10.59%
बजाज फिनसर्व	10.00%

टॉप लार्ज कैप म्यूचुअल फंड

- निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड
- एसबीआई ब्लूचिप फंड
- एचडीएफसी लार्ज कैप फंड
- डीएसपी लार्ज कैप फंड

स्मॉल कैप फंड के फायदे

- **उच्च विकास क्षमता:** स्मॉल कैप कंपनियों में उच्च विकास क्षमता होती है, जिससे उच्च रिटर्न मिल सकता है।
- **निम्न मूल्यांकन:** स्मॉल कैप कंपनियों के शेयर अक्सर कम मूल्य पर उपलब्ध होते हैं, जिससे निवेश की लागत कम होती है।
- **विविधीकरण:** स्मॉल कैप फंड्स विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करते हैं, जिससे जोखिम कम होता है। **लॉन्ग-टर्म ग्रोथ:** स्मॉल कैप कंपनियों में लॉन्ग-टर्म ग्रोथ की संभावना अधिक होती है।

स्मॉल कैप फंड के नुकसान

- **उच्च जोखिम :** स्मॉल कैप कंपनियों में जोखिम अधिक होता है, जिससे निवेश का मूल्य कम हो सकता है।
- **अस्थिरता :** स्मॉल कैप शेयरों की कीमतें अधिक अस्थिर होती हैं, जिससे निवेश का मूल्य तेजी से बदल सकता है।
- लिक्विडिटी : स्मॉल कैप शेयरों में लिक्विडिटी कम होती है, जिससे निवेश को बेचना मुश्किल हो सकता है।

2025 चांदी ने दिया बंपर रिटर्न

■ निवेशकों ने 100 फीसदी से ज्यादा रिटर्न लिया ■ अब मुनाफा वसूल करें या निवेश बनाए रखें ■ चांदी की बढ़त ने सभी निवेशों को पीछे छोड़ा

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

साल 2025 में सिल्वर ईटीएफ ने जबरदस्त प्रदर्शन दिया है। इस साल अब तक निवेशकों को 100 फीसदी से भी ज्यादा का रिटर्न मिल चुका है। चांदी की बढ़त ने बाकी सभी निवेशों को पीछे छोड़ दिया है। ऐसे में निवेशक इस उलझन में हैं कि क्या उन्हें अपना मुनाफा वसूल लेना चाहिए (प्रॉफिट बुकिंग) या निवेश बनाए रखना चाहिए? बाजार के जानकारों की सलाह है कि अगर आपके पोर्टफोलियो में चांदी का हिस्सा तय सीमा से ज्यादा हो गया है, तो थोड़ा मुनाफा वसूल लेना चाहिए। अपने निवेश को संतुलित (रीबैलेंस) करने के लिए कुछ हिस्सा बेचकर वापस पुराने लक्ष्य पर आ जाना ही समझदारी है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

चांदी में आई 110-130% की भारी बढ़त के बाद मुनाफावसूली करना सही रहेगा। अपने मुनाफे का 25 से 33 फीसदी हिस्सा निकाल लें और जब बाजार गिरे तो फिर से खरीदारी करें। 5 साल के नजरिए से निवेश करना अभी भी अच्छा है। बस इमोशनल होकर फैसला न लें और अनुशासन बनाए रखें। हालांकि मांग मजबूत है। लेकिन कम समय के लिए पैसा लगाने वालों को उतार-चढ़ाव से सावधान रहना चाहिए। वे सलाह देते हैं कि जो लोग ईटीएफ के जरिए चांदी में निवेश कर रहे हैं, उन्हें तेजी आने पर कुछ मुनाफा निकाल लेना चाहिए।

कितना दिया रिटर्न?

साल 2025 में अब तक सिल्वर ईटीएफ ने औसतन 127.31% का रिटर्न दिया है। इस दौरान 21 अलग-अलग फंड्स ने 122% से लेकर 130% तक का मुनाफा कराया। यूटीआई सिल्वर ईटीएफ 130.02% रिटर्न के साथ सबसे आगे रहा। इसके बाद एसबीआई सिल्वर ईटीएफ एफओएफ ने 129.46% का रिटर्न दिया। निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ ने 127.61% और टाटा सिल्वर ईटीएफ ने करीब 122.68% का फायदा कराया।

क्या अब देर हो गई है?

अब उतने बड़े लेवल पर पैसा लगाना शायद सही न हो जितना कुछ महीने पहले था। चांदी आपके कुल निवेश का छोटा हिस्सा (5-9%) ही होनी चाहिए। नए निवेशकों को एक साथ सारा पैसा लगाने के बजाय किश्तों (एसआईपी) में निवेश करना चाहिए। अभी देर नहीं हुई है, लेकिन एक साथ बड़ी रकम लगाने से बचें। अगर चांदी के दाम गिरकर 1,70,000 से 1,78,000 रुपये प्रति किलो के पास आएं, तो खरीदारी का अच्छा मौका होगा।

आगे क्या होगा?

जानकारों का कहना है कि अब, जबकि चांदी 2 लाख रुपये के पार है, तो 2026 के लिए अगले साल शायद 2025 जैसी धमाकेदार बढ़त न मिले। मुनाफा धीरे-धीरे होगा और बीच-बीच में कीमतें गिरेंगी भी। वहीं, निकुंज सर्राफ को उम्मीद है कि सोलर सेक्टर में बढ़ती मांग और दुनिया भर में सप्लाई की कमी की वजह से 2026 में भी चांदी की मजबूती बनी रहेगी।

क्या है सिल्वर ईटीएफ

सिल्वर ईटीएफ (एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड) एक प्रकार का निवेश साधन है जो चांदी की कीमतों पर आधारित होता है। यह एक ऐसा फंड है जो चांदी की कीमतों के साथ-साथ चलता है और निवेशकों को चांदी में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।

सिल्वर ईटीएफ के फायदे

- चांदी में निवेश : सिल्वर ईटीएफ चांदी में निवेश करने का एक आसान और सुविधाजनक तरीका है।
- लिक्विडिटी : सिल्वर ईटीएफ शेयर बाजार में सूचीबद्ध होते हैं, जिससे उन्हें आसानी से खरीदा और बेचा जा सकता है।
- निम्न लागत : सिल्वर ईटीएफ की लागत कम होती है, जिससे निवेशकों को अधिक रिटर्न मिल सकता है।
- विविधीकरण : सिल्वर ईटीएफ निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधीकरण करने में मदद करता है।

सिल्वर ईटीएफ के नुकसान

- चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव : सिल्वर ईटीएफ की कीमतें चांदी की कीमतों पर आधारित होती हैं, जो उतार-चढ़ाव के अधीन होती हैं।
- जोखिम : सिल्वर ईटीएफ में निवेश करने से जोखिम होता है, क्योंकि चांदी की कीमतें भविष्य में कम हो सकती हैं।
- स्टोरेज और सुरक्षा : सिल्वर ईटीएफ में निवेश करने से पहले निवेशकों को चांदी के स्टोरेज और सुरक्षा के बारे में विचार करना चाहिए [1][2][3]।

भारत में सिल्वर ईटीएफ

- कोटक सिल्वर ईटीएफ
- एसबीआई सिल्वर ईटीएफ
- एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल सिल्वर ईटीएफ
- यूटीआई सिल्वर ईटीएफ

जीएसटी स्लैब और इनकम टैक्स में हुए बड़े बदलाव, मिडिल क्लास को राहत

वर्ष 2025 का साल भारत के टैक्स सिस्टम के लिए काफी अहम रहा। सरकार ने जीएसटी में बड़ी कटौती की, इनकम टैक्स में छूट की लिमिट बढ़ाई गई और लोगों के हाथ में ज्यादा पैसे रहने देना का इरादा दिखाया। इसका मकसद था कि मुश्किल वैश्विक हालात में घरेलू खपत बढ़े और अर्थव्यवस्था को सहारा मिले। विदेशी टैरिफ की अनिश्चितता के बीच ये बदलाव घरेलू मांग को मजबूत करने पर फोकस करते हैं। अब नजर कस्टम्स ड्यूटी को सरल बनाने और रेट कम करने पर है।

कम स्लैब और चीजें सस्ती

साल की सबसे बड़ी खबर रही जीएसटी में भारी बदलाव। 22 सितंबर से करीब 375 सामानों और सर्विसेज पर टैक्स रेट कम कर दिए गए। रोजमर्रा की चीजों पर बोझ कम हुआ और लंबे समय से चली आ रही इनवर्टेड ड्यूटी की समस्या भी काफी हद तक सुलझी। पहले जीएसटी में 5%, 12%, 18% और 28% के चार मुख्य स्लैब थे। अब इन्हें 5% और 18% के दो मुख्य रेट में समेट दिया गया है। हालांकि, तंबाकू, सिगरेट, सिगार, गुटखा, पान मसाला आदि पर 40% का हाई रेट रखा गया है। इस बदलाव से जीएसटी सिस्टम ज्यादा आसान और भरोसेमंद हो गया। सरकार का दावा है कि स्लैब कम होने से झगड़े कम होंगे और कंप्लायंस आसान। अप्रैल में जीएसटी कलेक्शन रिकॉर्ड 2.37 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा था, जबकि पूरे साल औसतन 1.9 लाख करोड़ रुपये रहा। लेकिन रेट कटौती के बाद थोड़ा दबाव पड़ा और ग्रोथ धीमी हुई।

कलेक्शन वर्ष के सबसे निचले स्तर पर

नवंबर में कलेक्शन साल के सबसे निचले स्तर पर आ गया, जो 1.70 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल की तुलना में सिर्फ 0.7% की बढ़ोतरी थी। नवंबर वो पहला महीना था जब सितंबर की कटौती का पूरा असर दिखा। फिर भी ये सुधार लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो रहे हैं। आम इस्तेमाल की चीजें सस्ती हुईं, जिससे खपत बढ़ने की उम्मीद है।

इनकम टैक्स में राहत

मिडिल क्लास को बड़ा तोहफा

डायरेक्ट टैक्स के मोर्चे पर भी सरकार ने हाथ खोले। इनकम टैक्स की छूट लिमिट बढ़ाकर मिडिल इनकम वालों को राहत दी गई। लोगों के पास ज्यादा डिस्पोजेबल इनकम आए, खासकर शहरों में रहने वाले परिवारों को बड़ा फायदा हुए। इससे खुद टैक्स देने की आदत भी मजबूत हुई। 2025 के बजट में नई टैक्स व्यवस्था में 12 लाख रुपये सालाना आय तक कोई इनकम टैक्स नहीं देने का ऐलान हुआ। ये वो व्यवस्था है जिसमें कम रेट हैं लेकिन छूट या डिडक्शन का फायदा नहीं मिलता।

नए रेट कुछ इस तरह

- 4 से 8 लाख रुपये तक 5%
- 8 से 12 लाख रुपये तक 10%
- 12 से 16 लाख रुपये तक 15%
- 16-20 लाख रुपये पर 20%
- 20-24 लाख रुपये पर 25%
- 24 लाख रुपये से ऊपर 30%

टैक्स कलेक्शन धीमा

इन कटौती से अप्रैल से दिसंबर मध्य तक नॉन-कॉर्पोरेट टैक्स कलेक्शन धीमा पड़ा। व्यक्तियों, एचयूएफ और फर्म्स का नेट टैक्स सिर्फ 6.37% बढ़कर 8.47 लाख करोड़ हुआ, जबकि कॉर्पोरेट टैक्स 10.54% बढ़कर 8.17 लाख करोड़ रुपये पहुंचा। इस साल रिफंड 14% घटकर 2.97 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रहे। अगले साल से नया सिंपल इनकम टैक्स एक्ट 2025 लागू होगा, जो 1 अप्रैल से शुरू होकर पुराने 1961 के एक्ट की जगह लेगा। सिगरेट पर एक्स्ट्रा एक्साइज ड्यूटी और पान मसाला पर सेस लगाने के दो नए कानून भी सरकार जब चाहे लागू कर देगी।

कस्टम्स ड्यूटी पर अब फोकस

जीएसटी और इनकम टैक्स के बड़े सुधार हो जाने के बाद अब नजर कस्टम्स पर है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कस्टम्स को सरल बनाना सरकार का अगला बड़ा सुधार होगा। इनकम टैक्स जैसी पारदर्शिता और फेसलेस असेसमेंट कस्टम्स में लाना जरूरी है। साथ ही ड्यूटी रेट को रेशनलाइज करना भी। पिछले दो साल में कस्टम्स ड्यूटी लगातार घटी है। लेकिन जहां रेट अभी भी ज्यादा हैं, उन्हें कम करना बाकी है। वित्त मंत्री ने कहा था, "कस्टम्स मेरा अगला बड़ा क्लीन-अप काम है।" 2025-26 बजट में इंडस्ट्रियल गुड्स पर सात अतिरिक्त टैरिफ रेट हटाने का प्रस्ताव था, जिससे कुल स्लैब आठ रह गए। पहले 2023-24 में भी सात टैरिफ हटाए गए थे। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ट्रेड के बदलते पैटर्न, कंप्लायंस कॉस्ट और प्रोसीजर की दिक्कतों को देखते हुए कस्टम्स में सुधार जरूरी हैं।

छोटे व्यापारियों के लिए बेहद जरूरी है क्लाइमेट इंश्योरेंस

जलवायु परिवर्तन अब सिर्फ भविष्य की चेतावनी नहीं रहा, बल्कि यह छोटे व्यापारियों और दुकानदारों की रोजमर्रा की जिंदगी को सीधे प्रभावित कर रहा है। बाढ़, भीषण गर्मी, भारी बारिश और चक्रवात जैसी घटनाएं पहले के मुकाबले अधिक आ रही है और ज्यादा तीव्रता से हो रही हैं। इसका सबसे बड़ा असर देश के छोटे व्यापारियों और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) पर पड़ रहा है, जिनकी आमदनी रोज के कारोबार पर टिकी होती है। जानकारों का कहना है कि अधिकतर छोटे व्यापारी सीमित बचत के साथ काम करते हैं। ऐसे में अगर किसी प्राकृतिक आपदा की वजह से दुकान या कारखाना कुछ दिनों के लिए भी बंद हो जाए, तो उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। कई बार कुछ दिन का नुकसान ही महीनों की कमाई पर भारी पड़ जाता है।

प्राकृतिक आपदाओं से बचाव

"क्लाइमेट इंश्योरेंस छोटे व्यापारियों के लिए एक ऐसा सुरक्षा साधन है, जो उन्हें प्राकृतिक आपदाओं से उबरने में मदद करता है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक 9922/न.पा.नि. / 2025 रायगढ़, दिनाँक 26-12-25

ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिक निगम, रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सि.नि. क्र	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत राशि रु. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5
1	182417	CONSTRACTION OF BOUNDARY WALL AT NEAR SWAN SEWA KENDRA TRANSPORT NAGAR, RAIGARH.	14.96	19.01.2026
2	182421	CONSTRACTION OF SIYAN CHAUPAL NEAR NEW MARIN DRIVE ROAD AT W.N. 20 (4th Call)	34.94	06.01.2026
3	182433	CONSTRACTION OF RCC DRAIN FROM ROSHAN PATEL TO TALAB AT W.N. 48 (2nd Call)	16.08	12.01.2026
4	182437	CONSTRACTION OF DRAIN FROM CHAMDA GODAM INFRONT OF PUBLIC TOILET AT W.N. 38 (2nd Call)	12.97	12.01.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
न.पा.नि.रायगढ़

फिक्स्ड डिपॉजिट निवेश के सबसे भरोसेमंद तरीकों में से एक

सात लाख को ऐसे करें निवेश, मिलेगा बड़ा फायदा, एक एफडी में लगाएं पैसे या फिर कई सारी का विकल्प बेहतर

बिजनेस डेस्क

पैसा कमाने के लिए मेहनत और अनुशासन दोनों चाहिए, लेकिन उसे समझदारी से कहां निवेश किया जाए, यह फैसला उतना ही अहम होता है। आज के दौर में सिर्फ पैसे बचाकर रखना न तो सुरक्षित भविष्य की गारंटी देता है और न ही महंगाई को मात दे पाता है। मजबूत फाइनेंशियल कुशल बनने के लिए जरूरी है कि निवेश आपके लक्ष्य, जोखिम लेने की क्षमता और समय के हिसाब से किया जाए। शेयर, इक्विटी म्यूचुअल फंड, पीपीएफ और सरकारी बचत योजनाओं जैसे कई विकल्प मौजूद हैं, लेकिन, इसके बावजूद बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) आज भी सुरक्षा और स्थिर रिटर्न चाहने वाले निवेशकों की पहली पसंद बने हुए हैं।

पैसा कमाने के लिए मेहनत और अनुशासन चाहिए

एफडी क्यों है सबसे भरोसेमंद विकल्प

भारत में फिक्स्ड डिपॉजिट को सबसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में गिना जाता है। क्योंकि इसमें पूंजी सुरक्षित रहती है और रिटर्न पहले से तय होता है। एफडी की ब्याज दर पर बाजार के उतार-चढ़ाव का असर भी नहीं पड़ता। साथ ही, डीआईसीजीसी इंश्योरेंस के तहत 5 लाख रुपये तक की जमा रकम सुरक्षित रहती है। इससे निवेशकों को अतिरिक्त भरोसा मिलता है। बैंक और एनबीएफसी 7 दिन से लेकर 10 साल तक की अवधि के लिए एफडी की सुविधा देते हैं। हालांकि, एफडी से बेहतर रिटर्न पाने के लिए सिर्फ पैसा जमा करना काफी नहीं होता, बल्कि सही अवधि और सही स्ट्रक्चर चुनना भी जरूरी होता है।

एक एफडी या कई एफडी, किसमें फायदा

निवेशकों के मन में अक्सर यह उलझन रहती है कि पूरी रकम एक ही एफडी में लगाई जाए या उसे कई एफडी में बांटा जाए। अब मान लीजिए आपके पास 7 लाख रुपये हैं, तो क्या 7 लाख की एक एफडी बेहतर है या 1-1 लाख की सात एफडी। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि अगर ब्याज दर समान है, तो मैच्योरिटी पर मिलने वाली कुल रकम दोनों ही मामलों में बराबर रहेगी। फर्क सिर्फ सुविधा, लचीलापन और जरूरत पड़ने पर पैसे निकालने की आसानी में होता है।

बड़ी एफडी के फायदे क्या हैं

एक बड़ी एफडी का सबसे बड़ा फायदा इसकी सादगी है। इसमें आपको सिर्फ एक ही डिपॉजिट करना होता है, एक ही मैच्योरिटी डेट होती है और ब्याज भी एक जगह ही जुड़ता है। निवेश को ट्रैक करना आसान रहता है, न तो कई एफडी रसीदें संभालने की झंझट होती है और न ही अलग-अलग मैच्योरिटी याद रखने की जरूरत पड़ती है। जो निवेशक 'लगाओ और भूल जाओ' वाला तरीका पसंद करते हैं, उनके लिए यह विकल्प काफी सुविधाजनक माना जाता है। लंबी अवधि के लिए पैसा लॉक करने से ब्याज दर स्थिर रहती है और निवेशक बिना किसी रुकावट के मैच्योरिटी तक बेहतर रिटर्न हासिल कर सकता है। खासकर रिटायर्ड लोग या ऐसे निवेशक, जिनके पास पहले से इमरजेंसी फंड मौजूद है, उनके लिए एक बड़ी एफडी मानसिक शांति देने वाला विकल्प बन सकती है।

एक बड़ी एफडी के नुकसान समझना जरूरी

एक बड़ी एफडी की सबसे बड़ी समस्या तब आती है, जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ जाए। अगर आपको सिर्फ 50,000 रुपये चाहिए, तो आप आंशिक निकासी नहीं कर सकते। पूरी एफडी तोड़नी पड़ेगी, जिस पर पूरे अमाउंट पर पेनल्टी लगेगी और कुल रिटर्न घट जाएगा। इसके अलावा सुरक्षा का पहलू भी अहम है। भारत में डीआईसीजीसी नियमों के तहत एक बैंक में जमा राशि पर सिर्फ 5 लाख रुपये तक का ही इंश्योरेंस मिलता है। ऐसे में 7 लाख रुपये एक ही बैंक में रखने पर 2 लाख रुपये अनइंश्योर्ड रह जाते हैं। जरूरत पड़ने पर पूरी रकम नहीं, सिर्फ एक एफडी तोड़नी पड़ती है, जिससे बाकी पैसा ब्याज कमाता रहता है। प्रीमैच्योर विद्ड्रॉल की पेनल्टी सिर्फ उसी एफडी पर लगती है, पूरी रकम पर नहीं।

एक बड़ी एफडी की सबसे बड़ी समस्या तब आती है, जब अचानक पैसों की जरूरत पड़े

प्रथम पृष्ठ का शेष

गाजीनगर वोटर लिस्ट...

ही नहीं था, वे सभी किराए के मकान में रहते थे, इसलिए इन वोटरों ने एक ही मकान का पता दे दिया था। लोग मकान का नाम जुड़वाते रहे और दूसरी जाकर रहते गए लेकिन पता नहीं बदलवाया। कमेटी की जांच के बीच हरिभूमि की टीम भी शनिवार को गाजी नगर के ऐसे कई वोटरों के घर पहुंची, जिनके नाम जांच की जाने वाली सूची में शामिल थे। इस दौरान इन वोटरों ने भी बताया कोई 13 वर्ष तो कोई 15 साल पहले उस मकान में रहता था, जहां का पता अभी भी मतदाता सूची में दर्ज है। **एक मकान में 88 वोटरों का पता, इनमें 56 मिले, बाकी की तलाश जारी-** बताया गया कि एक मकान में 88 वोटरों का पता मतदाता सूची में दर्ज है। इन वोटरों का भी बीएलओ घर-घर जाकर ढूंढ रहे हैं। शनिवार तक जांच में इनमें से 56 वोटरों का पता लगा लिया गया है, जो अपना ठिकाना बदल दिए हैं। ये सभी वोटर भी किराएदार हैं। हालांकि इनमें से करीब 10 से 15 लोग अब खुद का मकान बनाकर उसमें शिफ्ट हो चुके हैं।

95 प्रतिशत से...

एक कमेटी बनाकर उनकी जांच कराई जा रही है। इस जांच कमेटी में तहसीलदार, नगर निगम के अधिकारी से लेकर क्षेत्र के पटवारी एवं बीएलओ को शामिल किया है। शुक्रवार से यह टीम एक ही पता वाले संदिग्ध वोटरों तथा उनके ठिकाने का पता लगा रही है। अफसरों से जानकारी मिली है कि जिन वोटरों के नाम गड़बड़ वाली सूची में शामिल हैं, उनमें 90 प्रतिशत से ज्यादा के ठिकाने मिल चुके हैं। ये सभी गाजी नगर में ही रहते हैं, लेकिन अपना ठिकाना बदल दिया है।

बीएलओ ने हरिभूमि...

पता जनगणना में लिखाया था। अब उन्होंने किराए का मकान बदल दिया है, लेकिन पता अभी भी उसी मकान का है। बीएलओ ने इस परिवार को फार्म-8 देकर पता बदलाने के लिए कहा है।

जांच रिपोर्ट...

एसआईआर भी कराया नहीं गया है। अधिकारियों की मानें तो कल तक जांच पूरी हो जाएगी। इसके बाद रिपोर्ट का अधिकृत रूप से खुलासा किया जाएगा।

महिला टीआई...

एंबुलेंस में आग लगा दी। आक्रोशित भीड़ ने पुलिस पर पथराव भी किया। बेकाबू भीड़ को काबू करने पुलिस ने जमकर लाठी भी भांजी। देर शाम तक क्षेत्र में तनाव का माहौल था, जिससे पूरा क्षेत्र पुलिस छावनी में तब्दील हो गया। जानकारी के अनुसार पुलिस ने करीब 20 ग्रामीणों को गिरफ्तार भी कर लिया है। तमनार में कोयला खदान के खिलाफ चल रहा ग्रामीणों का आंदोलन शनिवार को हिंसक रुप ले लिया। दरअसल तमनार के धौराभाठा गांव में 8 दिसंबर को जिंदल कोयला खदान को लेकर नियम विरुद्ध हुई जनसुनवाई के विरोध में ग्रामीण बीते 20 दिनों से लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। शनिवार को तमनार क्षेत्र के सीएचपी चौक पर सामाजिक कार्यकर्ता सहित सैकड़ों महिला-पुरूष चक्काजाम कर शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन कर रहे थे। इसी दौरान अचानक भारी संख्या में पुलिस बसों व चार पहिया वाहनों में पहुंची और प्रदर्शन कर रहे महिला-पुरूषों को जबरदस्ती उठा कर गिरफ्तार करने लगे। यह इसलिए किया जा रहा था कि ग्रामीणों के प्रदर्शन से संबंधित उद्योगों की गाड़ियों का आवागमन पूरी तरह बंद हो गया था और उद्योग को नुकसान उठाना पड़ रहा था। जिस पर पुलिस ने बल का इस्तेमाल किया तो ग्रामीण भी आक्रोशित हो उठे। **सीएचपी चौक में पुलिस पर पथराव**-खुरुसलेंगा गांव में पुलिस और ग्रामीणों के बीच भिड़ंत की जानकारी मिलने पर सीएचपी चौक पर मौजूद ग्रामीणों का भी गुस्सा फूट पड़ा। इसके बाद भीड़ ने पुलिस पर पथराव करते हुए एसडीएम के कार, एंबुलेंस और एक बस में आग लगा दी। जिसके जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी लाठी लेकर ग्रामीणों को दौड़ाना शुरू कर दिया। **एक्सीडेंट के बाद हुआ बवाल-** बताया जा रहा है कि पुलिस द्वारा ग्रामीणों के गिरफ्तारी से रास्ता साफ होने लगा, तभी उक्त उद्योग का एक वाहन वहां से निकल कर आगे की ओर रवाना हुआ और तमनार के ही खुरुसलेंगा गांव में एक स्थानीय युवक को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद वहां के ग्रामीण आक्रोशित हो उठे और वाहन चालक को गाड़ी के सामने बांध कर उसे पीटना शुरू कर दिया। इसकी जानकारी टीआई कमला पुसाम को हुई तो वो सीएचपी चौक से तत्काल खुरुसलेंगा रवाना हुई। जहां आक्रोशित महिलाओं ने उन पर हमला कर दिया। इस हमले में टीआई को गंभीर चोट आई और वह बेहोश हो गई। बेहोश होने के बाद वहां की महिलाओं ने ही पानी पिलाई। बाद में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

एसडीओपी, टीआई...

लगभग 300 लोगों की भीड़ थी।उनमें से कुछ लोगों के द्वारा सड़क पर बैठकर सामान्य आवागमन को बाधित किया जा रहा था। इसके लिए सुबह 10 बजे अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, एडिशनल एसपी के द्वारा लोगों को समझाइश देकर वापिस उन्हें धरना के लिए लगाए गए टेंट पर वापस करा दिया गया। समय-समय पर भीड़ उग्र होती रही तथा सामान आवागमन को बाधित करने का प्रयास करती रही। उक्त भीड़ को एसडीएम घरघोडा व पुलिस अधिकारियों द्वारा लाउडस्पीकर से उन्हें बार बार समझाइश तथा शांतिपूर्वक धरना प्रदर्शन हेतु अपील की जा रही थी। लगातार आस-पास के गांवों से लोग जमा होते जा रहे थे जिनकी संख्या लगभग 1000 के आस-पास थी। अचानक लगभग दोपहर ढाई बजे भीड़ बेकाबू हो गई और बैरियर को तोड़ते हुए पत्थर एवं डंडों से वहां उपस्थित पुलिस पर टूट पड़ी। उपद्रवी भीड़ ने जमकर लाठी डंडे बरसाए। जिससे एसडीओपी अनिल विश्वकर्मा, थाना प्रभारी तमनार कमला पुसाम तथा एक आरक्षक को गंभीर चोट आई तथा कई पुलिस के जवान और महिला आरक्षक घायल हैं, जिन्हें तत्काल प्राथमिक उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया। अनियंत्रित भीड़ द्वारा मौके पर पुलिस की बस, जीप, एंबुलेंस को आग लगा दी गई तथा कई शासकीय वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। इसके पश्चात अनियंत्रित भीड़ जिंदल के कोल हैंडलिंग प्लांट सीएचपी की ओर बढ़कर अंदर घुसकर कन्वेयर बेल्ट तथा दो ट्रैक्टर व अन्य वाहन को आग लगा दी गई तथा ऑफिस में भी उत्पात मचाकर तोड़फोड़ की गई। भीड़ को समझाइश देने के लिए विधायक, लैलूंगा विद्यावती सिदार, कलेक्टर रायगढ़ एवं पुलिस अधीक्षक रायगढ़ के द्वारा मौके पर जाने पर भीड़ उग्र होते हुए पथराव किया गया तथा पुनः सीएचपी प्लांट की ओर जाकर प्लांट के अंदर आगजनी की घटना की गई।

21 दिनों तक...

दिनों से कमरे से तेज बदबू आ रही थी। शक होने पर मकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे का ताला तोड़ा। अंदर का नजारा देखकर सबकी रूह कांप गई। बिस्तर पर सबीना खलखो की लाश पूरी तरह सड़-गल चुकी थी। पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पूछताछ में बेटे प्रवीण ने बताया कि मां की तबीयत खराब थी और 6 दिसंबर को उनकी मौत हो गई थी। हैरानी की बात यह है कि मां की मौत के बाद भी वह उसी घर में सामान्य तरीके से रह रहा था।

अब सड़कों पर...

दल एकसाथ खड़े होंगे। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि मनरेगा खत्म करने का फैसला सीधे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया और ऐसा करते समय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा कैबिनेट से विचार-विमर्श नहीं किया गया। कांग्रेस की शीर्ष नीति निर्धारण इकाई कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में मनरेगा पर विस्तार से चर्चा हुई और इसमें शामिल 91 नेताओं ने एक बड़ा आंदोलन खड़ा करने की शपथ ली। कार्य समिति की बैठक से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेक संघ (आरएसएस) की 'संगठन शक्ति' की तारीफ कर अपने दल के लिए असहज स्थिति पैदा कर दी। हालांकि, उन्होंने बाद में सफाई देते हुए कहा कि वह आरएसएस तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों के धुर विरोधी हैं, और उन्होंने सिर्फ संगठन की तारीफ की है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हुई बैठक में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, महासचिव केसी वेणुगोपाल, जयराम रमेश, लोकसभा सदस्य शशि थरूर, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और कई अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा बैठक में मौजूद नहीं थीं। बैठक में यह फैसला किया गया कि पांच जनवरी से 'मनरेगा बचाओ अभियान' शुरू किया जाएगा। इस अभियान का पूरा कार्यक्रम पार्टी द्वारा अगले एक-दो दिनों में जारी किया जाएगा। बैठक के बाद खरगे ने संवाददाताओं से कहा, बैठक में यह शपथ ली गई कि मनरेगा योजना को प्रमुख बिंदु बनाकर सारे देश में एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा। कांग्रेस पांच जनवरी से मनरेगा बचाओ अभियान की शुरूआत करेगी। उनका कहना था कि मनरेगा के विषय पर प्रधानमंत्री मोदी को जनता के आक्रोश का सामना करना पड़ेगा। कार्य समिति की बैठक में कांग्रेस नेताओं ने शपथ ली, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी अग्रणी भूमिका लेते हुए 5 जनवरी से 'मनरेगा बचाओ अभियान' शुरू करेगी। हम मनरेगा की हर हाल में रक्षा करेंगे, मनरेगा कोई योजना नहीं, भारत के संविधान से मिला काम का अधिकार है। उन्होंने यह संकल्प भी लिया, ग्रामीण मजदूर के सम्मान, रोजगार, मजदूरी और समय पर भुगतान के अधिकार के लिए एकजुट होकर संघर्ष करेंगे और मांग-आधारित रोजगार और ग्राम सभा के अधिकार की रक्षा करेंगे। कांग्रेस नेताओं ने यह भी कहा, हम यह भी शपथ लेते हैं कि मनरेगा से गांधी जी का नाम मिटाने और मजदूर के अधिकार को ख़ैरात में बदलने की हर साजिश का लोकतांत्रिक विरोध करेंगे। संविधान और लोकतंत्र पर भरोसा रखते हुए हम मनरेगा बचाने, मजदूर के अधिकार बचाने और गांव-गांव तक अपनी आवाज बुलंद करने का संकल्प लेते हैं। **बिना सलाह थोप दिया नया कानून-** खरगे ने दावा किया कि मोदी सरकार ने बिना किसी अध्ययन या मूल्यांकन के, राज्यों से या राजनीतिक दलों से सलाह-मशविरा के बिना इसे खत्म करके नया कानून थोप दिया। उन्होंने कहा कि यह सारा काम तीन काले कृषि कानूनों की भांति किया गया। खरगे ने इस बात पर जोर दिया, इस समय देशव्यापी आंदोलन की जरूरत है। इसका पुरजोर विरोध देश के हर कोने में होना चाहिए, क्योंकि इसके पहले जनवरी 2015 में जब मोदी सरकार ने कॉरपोरेट हितों में भूमि अधिग्रहण कानून बदला तो कांग्रेस के लोग सड़कों पर उतरे और सरकार को पीछे हटना पड़ा।

घर में घुसकर...

और घटना को अंजाम दिया। मृतक ग्रामीण युवक पूर्व में नक्सली रहा चुका था और सरेंडर करने के बाद सामान्य जीवन व्यतीत कर रहा था। एर्रापल्ली गांव में पहुंचे नक्सलियों के स्मॉल एक्शन टीम ने धारदार हथियार कुल्हाड़ी से हत्या करने के बाद मौके से फरार हो गए। ग्रामीण की हत्या के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। मृतक पुनेम वर्तमान में गांव में ही खेती किसानी कर अपना और अपने परिवार का भरणपोषण कर रहा था। नक्सलियों ने शुक्रवार को घटना को जब अंजाम दिया, तब पुनेम अपने परिवार के साथ घर में सो रहा था। घर पर पहुंचे नक्सलियों के आवाज देने पर जैसे ही परिवार वालों ने घर का दरवाजा खोला, नक्सली उसके घर में घुस आए और पुनेम बुधरा को पकड़कर घर से बाहर निकाला और उसकी नृशंस हत्या कर दी। पुलिस की मुखबरी के संदेह में अब तक बीजापुर जिले में ही दर्जनों निर्दोष ग्रामीण, शिक्षादूत, ठेकेदार व अन्य की हत्या कर चुके हैं।

रायपुर सहित प्रमुख...

है। इससे राज्य की कनेक्टिविटी, व्यापार, उद्योग तथा पर्यटन गतिविधियों को नया आयाम मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे का व्यापक आधुनिकीकरण हो रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा घोषित इस योजना से छत्तीसगढ़ जैसे उभरते हुए राज्य को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायपुर जंक्शन देश के प्रमुख रेल जंक्शनों में से एक है। यहां प्रतिदिन लाखों यात्री आवागमन करते हैं। संचालन क्षमता दोगुनी होने से लोगों को अधिक ट्रेनें, बेहतर आवृत्ति तथा कम भीड़भाड़ का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि रायपुर के साथ-साथ अन्य औद्योगिक और वाणिज्यिक नगरों के लिए भी यह योजना अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। रेल संरचना के विस्तार से निवेश, रोजगार और लॉजिस्टिक्स की सुगमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इससे राज्य की अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार मिलेगी। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में रेलवे के दीर्घकालिक विकास के लिए रावघाट-जगदलपुर, धरमजयगढ़-लोहरदगा और खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा जैसी कई नई रेल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। रावघाट रेलवे लाइन के अन्तर्गत दल्लीराजहरा-अंतागढ़ (77 किमी) सेक्शन चालू, यात्री ट्रेनों का संचालन शुरू हो चुका है। रावघाट तक विस्तार कार्य प्रगति पर, जिससे भिलाई इस्पात संयंत्र को लौह अयस्क की आपूर्ति होगी और ग्रामीणों को किफायती यातायात सुविधा मिलेगी। इसी तरह के.के. रेल लाइन दोहरीकरण के अन्तर्गत 170 किमी में से 148 किमी का कार्य पूर्ण हो चुका है। इससे बस्तर और दंतेवाड़ा जिले की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। आवागमन आसान और माल परिवहन सुविधाजनक हो सकेगा।

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी • जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें

असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- घरेलू कार्य एवं देखभाल के लिए चौकीदार की आवश्यकता है रहने की सुविका केवल छोटे परिवार वाले ही आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- भारत बैग हाउस मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर (39502)

आवश्यकता है- कॉमर्स से 12वी या बीकॉम फ्रेशर लड़के की बिलासपुर एकाउंट विभाग में सहायक हेतु आवश्यकता है बाहरी को प्राथमिकता रहने खाना की व्यवस्था सम्पर्क करें- 7880077998, 92033 90737 (39503)

आवश्यकता है- सुबह 6बजे से शाम 7बजे तक सात्विक शाकाहारी भोजन बनाने एवं अन्य घरेलू कार्य करने हेतु युवती चाहिए। शिक्षा 12वीं पता- वी-18, रामा लाइफ सिटी सकरी बिलासपुर 98930 81826, 7067124226, 8319817966 (39501)

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ की प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेज हेतु प्यून, हाउसकीपिंग, एवं सिक्योरिटी गार्ड्स की अपने मूल दस्तावेज के साथ तत्काल सम्पर्क करे सोमवार दिनांक 29/12/25 एवं बुधवार 31/12/25 समय शाम 5बजे से 6बजे तक पता- रिलायबल सर्विस जी-18, हाईटेक बस स्टैंड के सामने अम्बे प्लाजा तिफरा बिलासपुर 917916 6979 (39507)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य करने के लिए (महिला/युवती) कम्प्यूटर आपरेटर की आवश्यकता है। वेतन 15000 से 20000 तक सम्पर्क करें- 8817395214 (39493)

आवश्यकता है- घर पर रहकर हमारे घर में घरेलू काम करने के लिए लड़का या लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- गुरुद्वारा के बाजू में गोड़पारा बिलासपुर 9669211111, 98271 75811 (39492)

आवश्यकता है- आरोग्य अमृततुल्य चाय की दुकान हेतु ऊर्जावान मेहनती लड़के लड़की की आवश्यकता है कार्य काउंटर संभालना और किचन के कार्य। सम्पर्क करें- आरोग्य अमृततुल्य, मुंगेली नाका ग्राउंडे मंगला बिलासपुर 7089572509 (39505)

आवश्यकता है- घर में काम करने हेतु लड़की की आवश्यकता है सुबह 8बजे से शाम 7बजे तनख्वाह- 8500 (रहकर कार्य करने वाले की तनख्वाह 7000) आवास+ खाने की सुविधा सम्पर्क- बिलासपुर 7869399765 (39496)

आवश्यकता है- शेफ की आवश्यकता है। आयु 28वर्ष या उससे अधिक। अनुभव मैक्सिकन (Mexican) और इंडियन फूड का अच्छा ज्ञान आवश्यक। कार्य क्लाउड किचन के लिए सभी तरह की तैयारी और भोजन बनाना, मैक्सिकन फूड बनाने का अनुभव अनिवार्य। सम्पर्क करें- 8586934141 (39494)

आवश्यकता है- एक प्रतिष्ठित फैक्ट्री में लॉजिस्टिक्स विभाग हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। योग्य एवं अनुभवी अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। सुविधाएं- फैक्ट्री परिसर में रहने एवं खाने की व्यवस्था उपलब्ध वेतन योग्यता एवं अनुभव के अनुसार, आपसी बातचीत से तय किया जाएगा। इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें- 9140526209 (39498)

आवश्यकता है- हॉस्पिटल के ओटी में एनेस्थीसिया असिस्टेंट कार्य हेतु युवक, युवती चाहिए योग्यता पैरामेडिकल नर्सिंग, BHMS, BAMS MBBS वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- शिवा इंटरप्राइजेस पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 98930 81826, 7067124226 (39497)

आवश्यकता है- टीआई परियोजना के अन्तर्गत काउन्सलर, ORW की नियुक्ति किया जाना है। पद काउन्सलर-1, ORW-2 योग्यता- काउन्सलर हेतु- M.A. Sociology, MSW, PGDCA. **ओआरडब्ल्यु हेतु** Graduation and DCA. **आवेदन की अंतिम तिथि 30/12/2025 पता- प्रकृति सेवा संस्थान, वेयर हाउस रोड, महामाया विहार, बिलासपुर 9926979506,** Email ID- prakritisewa 2@ gmail.com **अनुभवी को प्राथमिकता दी जावेगी।** (39499)

आवश्यकता है- चिल्हर किराना दुकान में काम करने के लिए मेहनती लड़कों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता आधार कार्ड के साथ सम्पर्क करें- विजय प्राविजन स्टोर मंदिर चौक बिलासपुर 9302688664, 8319919500 (1644)

आवश्यकता है- आफिस कार्य एवं कपड़ा दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी लड़को की आवश्यकता है योग्यता 12वीं पास सम्पर्क करें- राजकिशोर नगर बिलासपुर 98271 80096, 9827199008 (39490)

आवश्यकता है- होटल की रसोई (किचन) में बर्तन धोने एवं साफ सफाई कार्य करने के लिए कर्मचारियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- होटल विस्तारा मेन रोड तिफरा बिलासपुर 9301577078 (39495)

आवश्यकता है- घरेलु कार्य करने हेतु युवक की आवश्यकता है रहने, खाने की व्यवस्था है। सम्पर्क करें- सुबह 11 से 2 बजे एवं शाम 5 से 9 बजे गगन फ्लैक्स 27खोली चौक बिलासपुर 90397 68650 (39489)

आवश्यकता है-बिलासपुर, जांजगीर, खरसिया में सुरक्षा गार्ड, सुपरवाईजर, ड्राइवर की आवश्यकता है। PF, ESIC मेडिकल आवास सुविधा फ्री सम्पर्क करें- सिद्धि विनायक सिक्युरिटी, राजेंद्र नगर बिलासपुर 9111175190 9098318675 (427)

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड सिक्युरिटी सुपरवाइजर गनमैन फिल्ड ऑफिसर कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाई। वेतन 8000-20000, आवास फ्री। पता- साईं सिक्युरिटी सर्विस साई निवास कॉम्प्लेक्स जे.जे. हॉस्पिटल बाजू तोरवा बिलासपुर 80852 33213, 8253010291, 8889 997826 (39295)

आवश्यकता है- विद्या नगर बिलासपुर स्थित घर में 1.5 वर्ष के बेबी बॉय की 24 घण्टे देखभाल हेतु योग्य, प्रशिक्षित महिला बेबी सिटर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 93433 35328 (39488)

आवश्यकता है- फुल टाइम अकाउंटेंट चाहिए जिसे टैली प्राइम का अच्छा अनुभव हो, इनवॉइस एवं ईवे बिल बनाना आता हो। सम्पर्क करें- अविनाश मोदी पी-2, संजय अपार्टमेंट व्यापार विहार रोड बिलासपुर 9179991222 (39491)

आवश्यकता है- मोबाइल दुकान मे काम करने हेतु अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार समय सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक सम्पर्क करें- 9827491999 (39482)

आवश्यकता है- दुकान में माल निकालने/जमाने हेतु लड़कियों, पैकिंग हेतु लड़को की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सलुजा मेडिकल एजेंसी मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा (440)

आवश्यकता है- लॉज में हाउस कीपिंग कार्य एवं दुकान में एकाउंटेन्ट कार्य हेतु लड़के और लड़कियों की तथा घर में काम करने के लिए बाई की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 7869523344, 7301717175 (39484)

आवश्यकता है- रेस्टोरेन्ट में काम करने के लिए तन्दूर मिस्त्री, वेटर लेडीज जेन्ट्स दोनों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- साँझा चूल्हा, महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 83193 44041 (39486)

आवश्यकता है- OMMI कम्पनी को तत्काल 45 लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है आय 8500 से 22000 रहना फ्री परमानेन्ट जॉब सम्पर्क करें- उस्लापुर ओवर ब्रिज के पास बिलासपुर 8003402269, 6393559091 (1484)

आवश्यकता है- इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ाने हेतु अंग्रेजी में अच्छे संचार कौशल वाले शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं अन्य कार्य हेतु शिक्षित लड़कियां चाहिए सम्पर्क करें- बचपन ए-प्ले स्कूल देवरीखुर्द बिलासपुर 7610888883, 7999358334 (39485)

आवश्यकता है- मेन्स वियर में काम करने के लिए सेल्समैन की आवश्यकता है केवल अनुभव लड़के ही सम्पर्क करें- सुबह 11:30 से शाम 7:00 यूनिक फैशन शिव टॉकीज चौक बिलासपुर 930315 9900, 9630110824 (39487)

आवश्यकता है-कम्प्यूटर ऑपरेटर 2 टेंडर कार्य, 20000 मार्केटिंग ऑफिसर 3, 40000 योग्यता MA/ MBA सुपरवाइजर 15, 15000 फील्ड अधिकारी 5, सुरक्षा गार्ड 66, 13000, 10000 वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय- 06, जे.शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ीनाका रायपुर 7747000016, 77460 00016, 7746000019 (348)

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में कार्य करने के लिए लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन 5000 से 9000 तक सम्पर्क करें- हरीरामानी एण्ड सन्स मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 9329292940 (39392)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु टेलिकॉलिंग महिला एवं युवतियों की अतिशीघ्र आवश्यकता है सैलरी 5000 से 10000+ अतिरिक्त कमीशन सम्पर्क करें- गीतांजलि विहार लखन भोजनालय नेहरू नगर बिलासपुर 09685646863 (0301)

आवश्यकता है- शहर से बाहर ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 तक अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है योग्यता, 10वी, 12वी, स्नातक, वेतन -12000 रहना खाना फ्री ट्रेनिंग के बाद कमाए 20 से 25 हजार महीना संपर्क करें 6261667355, 911130 0616 (524)

बेचना है

बेचना है- (1) चिल्हाटी मोपका 36 एवं 50 डिसमिल 30फिट चौड़ी रोड प्री कास्ट बाउंड्री सहित (2) सीपत गुड़ी मेनरोड प्लाट 65 डिसमिल 130फिट फ्रंट (3) भारती नगर अयप्पा मंदिर के पास प्लाट 1400 वर्गफीट (4) कड़ार नेशनल हाईवे से लगा हुआ प्लाट 49 डिसमिल 250फीट फ्रंट (5) बेलमुंडी में 40 डिसमिल प्लाट बेचना है संपर्क 9479169997 (430)

बेचना है-हर्षफिनिक्स सिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड49 बीआर यादव नगर, बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 2/3/4BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफोर्डेबल फ्लैट टाउनकंट्री रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एसके बिल्डर्स & डेवलपर्स 88394 55596, 7697644444 (38649)

बेचना है-बिलासपुर मसानगंज में स्थित 6BHK का नवनिर्मित मकान, गीतांजलि सिटी फेस-2 के बगल में नया 2BHK मकान, कोटा मेन रोड में 2 एकड़ कमर्शियल प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 78988 55268 (39297)

बेचना है- 100फ्रंट 1एकड़ 20 डिसमिल नहर रोड पर सेन्दरी से मोपका बायपास से जो खूंटाघाट जाता है सेमरताल नहर रोड पर प्लॉट बेचना हैं कीमत 60लाख रुपए एकड़ सम्पर्क- 9300328495, 9827938236 (1648)

किराया

किराया- 27खोली विकास नगर संजय तरण पुष्कर सरकारी क्वार्टर्स के पास, प्रथम तल पर 2BHK मकान वरांडा ओपन टेरेस। नौकरी, पेशा, छोटे परिवार को किराये पर देना है सम्पर्क करें- 9827903253 (39481)

किराया- पढ़ने एवं जॉब करने वाली लड़कियों के लिए हॉस्टल/ रूम/ मकान किराए पर उपलब्ध है पता- लाइफ केयर हॉस्पिटल के पास, शान्ति नगर, बिलासपुर सम्पर्क करें- 9131547152, 8269132146 (39506)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
पंजाबी युवक
बिलासपुर (छ.ग.)
निवासी
शिक्षित उम्र 31 वर्ष 6 माह
हाइट 5 फुट 5 इंच,
स्वयं का व्यवसाय
संपन्न परिवार हेतु
शिक्षित कन्या चाहिये।
-:सम्पर्क करें:-
9039965807

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार)
17/09/82 हाइट 5'-11',
एमबीबीएस, अविवाहित,
डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक
मासिक आय 1.50 लाख हेतु
हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट
शिक्षित अविवाहित वधु
चाहिए। सभी हिन्दू उच्च जाति
मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें
9131453175

वर चाहिए

वर चाहिए- अहिरवार (SC) 28 वर्ष 5'6'' (तलाकशुदा) असिस्टेंट प्रोफेसर (PHD IN PHARMACY) हेतु सक्षम वर चाहिए, कृपया मैरिज ब्यूरो क्षमा करें, संपर्क करे- 97523 78176, 91091888890 (35441)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330
इसे जरूर पढ़िये और समझिये
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. वी.के. अग्रवाल
बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने
बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659, 93039-48500
96177-89223, 93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

आपके सपनों का आशियाना
जल्द होगा आपका...
पढ़ते रहे
हरिभूमि
क्लासिफाइड

सब कुछ है यहां

आईएलटी20 : शारजाह वॉरियर्स प्लेऑफ दौड़ से बाहर

एजेंसी ▶▶| शारजाह

तेज गेंदबाज नसीम शाह की शानदार गेंदबाजी और मैक्स होल्डन के नाबाद अर्धशतक की मदद से डेजर्ट वाइपर्स ने शारजाह वॉरियर्स पर पांच विकेट से जीत हासिल कर उसे आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया। इस मैच के परिणाम से यह सुनिश्चित हो गया कि अबू धाबी नाइट राइडर्स या गल्फ जायंट्स में से कोई एक टीम प्लेऑफ में जगह बनाएगी।

डेजर्ट वाइपर्स, एमआई एमिरेट्स और दुबई कैपिटल्स की टीम पहले ही प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर चुकी हैं। नसीम शाह ने 35 रन देखकर तीन विकेट लिए और वॉरियर्स को सात विकेट पर 140 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई। वॉरियर्स की तरफ से जॉनसन चार्ल्स ने सर्वाधिक 43 रन बनाए। मैक्स होल्डन की 46 गेंद पर नाबाद 66 रन की पारी की मदद से वाइपर्स ने 19.3 ओवर में पांच विकेट पर 144 रन बनाकर जीत हासिल की।

5 विकेट से जीता डेजर्ट वाइपर्स

एसए20 : डरबन सुपर ने एमआई केपटाउन को हराया

एजेंसी ▶▶| केपटाउन

रयान रिकेलटन के शतक के बावजूद एमआई केपटाउन को एसए20 क्रिकेट टूर्नामेंट के चौथे सत्र के पहले मैच में डरबन सुपर जायंट्स से 15 रन से हार का सामना करना पड़ा।

इस मैच में खूब रन वर्षा देखने को मिली तथा कुल मिलाकर 449 रन बने, जिसमें 25 छक्के और 40 चौके शामिल हैं। रिकेलटन के 65 गेंदों पर पांच चौकों और 11 छक्कों की मदद से 113 रन बनाए लेकिन इसके बावजूद उनकी टीम 233 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सात विकेट पर 217 रन ही बना सकी। एमआई केपटाउन की तरफ से रिकेलटन के अलावा जैसन स्मिथ ने 41 रन का योगदान दिया।

सुपर जायंट्स ने इससे पहले पांच विकेट पर 232 रन का रिकॉर्ड स्कोर बनाया था। उसकी तरफ से न्यूजीलैंड की सलामी जोड़ी डेवोन कॉनवे (33 गेंदों में 64 रन, सात चौके, दो छक्के) और केन विलियमसन (25 गेंद पर 40 रन) ने पावरप्ले में दबदबा बनाते हुए सिर्फ 8.3 ओवर में 96 रन जोड़े। इसके बाद जोस बटलर (12 गेंदों में 20 रन) और हेनरिक क्लासेन (14 गेंदों में 22 रन) ने लय को बरकरार रखा। उनके अलावा एडेन मार्क्रम ने 17 गेंदों में 35 और इवान जोन्स ने 14 गेंदों में नाबाद 33 रन बनाए।

रिकेलटन की तूफानी सेंचुरी

खबर संक्षेप

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में नहीं खेलेंगे ड्रेपर

लंदन। चोटिल होने के कारण विंबलडन के बाद से केवल एक टेनिस मैच खेलने वाले जैक ड्रेपर अगले महीने होने वाले साल के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भी वापसी नहीं कर पाएंगे। विश्व रैंकिंग में दसवें स्थान पर काबिज ड्रेपर बायीं बांह की हड्डी में चोट लगने के कारण 2025 के सत्र में अधिकतर टूर्नामेंट में नहीं खेल पाए थे। ब्रिटेन के इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने एक्स पर लिखा, 'दुर्भाग्य से मैंने और मेरी टीम ने इस साल ऑस्ट्रेलिया न जाने का फैसला किया है। यह बहुत मुश्किल फैसला था क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई ओपन हमारे खेल के सबसे बड़े टूर्नामेंट में से एक है।' उन्होंने कहा, 'मैं चोट से उबरने के अंतिम चरण में हूं लेकिन मुझे इतनी जल्दी पांच सेटों के टेनिस मैच में खेलने के लिए कोर्ट पर वापसी करना इस समय समझदारी भरा फैसला नहीं लगता।'

बांग्लोदश प्रीमियर लीग में हादसा, मैदान में कोच की मौत

ढाका। ढाका कैपिटल्स के असिस्टेंट कोच महबूब अली जकी का निधन हो गया है। बांग्लादेश प्रीमियर लीग में शनिवार को सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में राजशाही वॉरियर्स के खिलाफ ढाका के ओपनिंग मैच से कुछ देर पहले मैदान पर दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। यह घटना मैच शुरू होने से ठीक पहले हुई।

एशेज : इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया की क्लीन स्वीप करने की उम्मीद पर फेरा पानी

बॉक्सिंग डे टेस्ट : इंग्लैंड की 15 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में पहली जीत, 2 दिन के अंदर कंगारुओं को चटाई धूल

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

इंग्लैंड ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेले गए चौथे एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच में 4 विकेट से जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलिया में पिछले 18 मैच में जीत हासिल नहीं कर पाने का सिलसिला रोक दिया। इंग्लैंड श्रृंखला के पहले तीन टेस्ट मैच हार गया था, जिससे आस्ट्रेलिया ने केवल 11 दिन में एशेज अपने पास बरकरार रखी थी।

इंग्लैंड ने हालांकि चौथे टेस्ट मैच को दो दिन के अंदर जीतकर ऑस्ट्रेलिया की क्लीन स्वीप करने की उम्मीद पर पानी फेर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ में पहला मैच दो दिन से जीता था। यह 129 वर्षों में पहला अवसर है जबकि किसी एक श्रृंखला के दो मैच दो दिन में समाप्त हो गए। इंग्लैंड की टीम ने ऑस्ट्रेलिया में इससे पहले आखिरी बार 2010-11 की श्रृंखला में मैच जीता था। उसने तब यह श्रृंखला 3-1 से अपने नाम की थी। इसके बाद इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया में खेले गए लगभग 15 वर्षों में 18 टेस्ट मैचों में से 16 मैच हारे थे जबकि बाकी दो मैच ड्रॉ रहे।

एमसीजी पिच पर दो दिन में गिरे 36 विकेट

एमसीजी की पिच पर तेज गेंदबाजों की तूती बोली। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पहले दिन 20 और दूसरे दिन 16 विकेट गिरे। इंग्लैंड ने मैच के छठे सत्र में ही जीत हासिल की। इंग्लैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए आक्रामक शुरुआत की। पहले 10 ओवर में ही उसने बेन डकेट (34) और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजे गए ब्रायडन कार्स (06) के विकेट गंवाकर दो विकेट पर 70 रन बना लिए थे। स्कॉट बोलैंड ने जाक क्रॉली (37) और जैकब बेथेल (40) को आउट किया। इन दोनों ने हालांकि अहम योगदान दिया। क्रॉली ने डकेट के साथ पहले विकेट के लिए 51 और बेथेल के साथ तीसरे विकेट के लिए 47 रन की महत्वपूर्ण साझेदारियां की। जो रूट (15) और स्टोक्स (02) सस्ते में आउट हो गए, जिसके बाद जेमी स्मिथ (नाबाद 03) और हैरी ब्रूक (नाबाद 18) ने इंग्लैंड को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस तरह से इंग्लैंड ने चार जनवरी से सिडनी में शुरू होने वाले पांचवें और आखिरी टेस्ट से पहले मनोबल बढ़ाने वाली जीत हासिल की।

इंग्लैंड ने 'बार्मी आर्मी' प्रशंसकों को उन्मादपूर्ण जश्न में डुबोया

पहली पारी में 152 रन बनाने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम अपनी दूसरी पारी में 132 रन पर आउट हो गई। इस तरह से उसने इंग्लैंड के सामने 175 रन का लक्ष्य रखा। पहली पारी में 110 रन पर आउट होने वाले इंग्लैंड ने छह विकेट पर 178 रन बनाकर अपने हजारों धैर्यवान लेकिन वफादार 'बार्मी आर्मी' प्रशंसकों को उन्मादपूर्ण जश्न में डुबो दिया। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने मैच के बाद कहा, 'अब तक यह दौरा काफी कठिन रहा है। हमने जिस तरह से प्रदर्शन किया वह शानदार था। हमने साहसिक खेल दिखाया और अपने काम को अंजाम तक पहुंचाया। जब मैं आउट हुआ तब हम लक्ष्य से 10 रन पीछे थे। मैं जानता था कि हम लक्ष्य तक पहुंच जाएंगे। जीत के साथ अंत करना सुखद अहसास है।'

ऑस्ट्रेलिया के 3 बल्लेबाज पहुंच सके दोहरे अंक तक

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मिचेल स्टार्क, झाय रिचर्डसन और बोलैंड ने दो-दो विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया ने सुबह अपनी दूसरी पारी बिना किसी नुकसान के चार रन से आगे बढ़ाई लेकिन उसके केवल तीन बल्लेबाज ही दोहरे अंक तक पहुंचे। इनमें सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड (46), स्मिथ (नाबाद 24) और कैमरन ग्रीन (19) शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया को दूसरी पारी में सस्ते में आउट करने में कार्स ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 34 रन देकर चार विकेट लिए जबकि स्टोक्स ने 24 रन देकर तीन विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया। ऑस्ट्रेलिया ने नाइटवॉचमैन बोलैंड (06) का विकेट जल्दी खो दिया। इसके बाद जैक वेदरल्ड (05) और मार्नस लाबुशेन (08) भी आयाराम गयाराम ही साबित हुए। हेड के आउट होने के बाद अगले दो ओवरों में उस्मान ख्वाजा (00) और एलेक्स कैरी (04) भी पवेलियन लौट गए, जिससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट पर 82 रन से छह विकेट पर 86 रन हो गया। लंच के बाद स्टोक्स ने ग्रीन का महत्वपूर्ण विकेट लिया, जिन्होंने दूसरी स्लिप पर कैच दिया। इसके बाद कार्स ने निचले क्रम के बल्लेबाजों को समेटने में देर नहीं लगाई।

रूट ने लारा को छोड़ा पीछे

जो रूट ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 22 हजार रन 501वीं पारी में पूरे किए और सबसे तेज 22 हजार रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए, जहां पहले ब्रायन लारा थे। लारा अब चौथे नंबर पर आ गए, जिन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में 22 हजार रन 511 पारियों में पूरे किए थे। इस लिस्ट में पहले नंबर पर विराट कोहली हैं, जिन्होंने इस आंकड़े को 462 पारियों में छूआ था जबकि दूसरे नंबर पर सचिन तेंदुलकर हैं, जिन्होंने ऐसा 493वें पारी में किया था।

मेलबर्न में फेंकी गई कुल 852 गेंदें

मेलबर्न में खेला गया एशेज टेस्ट दो दिन में खत्म हुआ। इतिहास में सातवीं बार एशेज का कोई मैच दो दिन के अंदर खत्म हुआ। मेलबर्न में कुल 852 गेंदें फेंकी गई और गेंदों में हिसाब से यह चौथा सबसे छोटा एशेज टेस्ट बन गया है। मेलबर्न में चारों पारियों में कोई खलिाड़ी फिफ्टी तक नहीं लगा गया और एक भी फिफ्टी के बिना इस मैच में 500 से ज्यादा बने। ऐसा छठी बार हुआ है। यह एशेज में 150 से ज़्यादा के सफल चेज में सबसे ज़्यादा रन-रेट वाला दूसरा मैच बन गया है।

राशिफल

मेष — संगीत में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें।

वृष — खर्चों की अधिकता रहेगी। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं।

मिथुन — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। पठन-पाठन में रुचि बढ़ सकती है। परिवार में आपसी वाद-विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा के लिए विदेश प्रवास हो सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।

सिंह — कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या — कार्यभार में वृद्धि होगी। बौद्धिक कार्यों से धन प्राप्त होगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। बातचीत में संतुलन बनाकर रखें।

तुला — लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

वृश्चिक — संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च भी बढ़ेंगे।

धनु — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मकर — आलस्य की अधिकता हो सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ — क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।

मीन — किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

18 वर्षीय मुर्ज़िन का पहला दिन मुश्किल भरा

गुकेश ने पहले दौर में ड्रॉ से शुरुआत करते हुए शानदार वापसी की। इसके बाद उन्होंने चार जीत हासिल कर शीर्ष खिलाड़ियों में अपनी जगह बनाई। विश्व रैपिड चैंपियनशिप के मौजूदा चैंपियन रूस के 18 वर्षीय वोलोडर मुर्ज़िन का पहला दिन काफी मुश्किल भरा रहा और वे सिर्फ दो अंक ही हासिल कर पाए। धीमी शुरुआत करने वाले खिलाड़ियों में आर प्रज्ञाननंदा भी शामिल थे। उन्होंने पहले दौर का मैच तो जीत लिया, लेकिन उसके बाद दो मैच ड्रॉ रहे। चौथे दौर में उन्हें काले मोहरों से खेलते हुए 150 से अधिक अंकों से कम रेटिंग वाले लेवान पैंटसुलाइया से हार का सामना करना पड़ा। महिला रैपिड चैंपियनशिप की मौजूदा चैंपियन कोनेरू हम्पी ने दो जीत और दो ड्रॉ के साथ तीन अंक हासिल किए।

अंडर-19 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया स्क्वाड का ऐलान, कप्तान होंगे म्हात्रे

मुंबई। आयुष म्हात्रे को 15 जनवरी से 6 फरवरी तक जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले अंडर-19 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। हालांकि कलाई में चोट के कारण म्हात्रे और विहान मल्होत्रा विश्व कप से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। उनकी अनुपस्थिति में उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी दक्षिण अफ्रीका दौरे पर भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। इस दौरे पर मैच 3, 5 और 7 जनवरी को बेनोनी में खेले जाएंगे। आरोन जॉर्ज को उपकप्तान बनाया गया है। म्हात्रे और मल्होत्रा अपनी चोटों के उपचार और प्रबंधन के लिए बेंगलुरु स्थित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में रिपोर्ट करेंगे, जिसके बाद वे भारतीय टीम से जुड़ेंगे। सूर्यवंशी और जॉर्ज को भी अंडर-19 विश्व कप टीम में शामिल किया गया है।

16 टीमें लेंगी हिस्सा

आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्व कप के आगामी चरण में 16 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें चार ग्रुप में बांटा गया है। इसके बाद सुपर सिक्स चरण, सेमीफाइनल और फाइनल हरारे में खेले जाएंगे। पांच बार की चैंपियन भारत को ग्रुप बी में न्यूजीलैंड, अमेरिका और बांग्लादेश के साथ रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 15 जनवरी को बुलावायो में क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में अमेरिका के खिलाफ करेगा। इसके बाद 17 जनवरी को इसी मैदान पर बांग्लादेश से और 24 जनवरी को न्यूजीलैंड से मुकाबला होगा।

टीमें इस प्रकार :-

अंडर-19 विश्व कप के लिए

आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, आरोन जॉर्ज, वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान पटेल, मोहम्मद इनान, हेनिल पटेल, दीपेश, किशन कुमार सिंह, उद्धव मोहन।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
खरसिया, जिला रायगढ़ (छ.ग.)
- नोटिस -

क्रमांक 2412//प्रस्तु-1/2025 खरसिया, दिनांक 24/12/2025 इस न्यायालय में विचाराधीन अपील प्र.क्र.202507042900036/ अ-6/2024-25 पक्षकार मोठ रज्जाक कुरैशी एवं 01 अन्य बनाम मो. हनीफ कुरैशी वारिसान 01 से 19 अन्य वगैरह, ग्राम तेलीकोट, प.ह.नं. 20 में निम्नांकित उत्तरवादीगण को सूचित किया जाता है कि वे इस प्रकरण में नियत दिनांक 09/01/2026 को स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम उपस्थित होना सुनिश्चित करें, नियत तिथि में अनुपस्थित रहने पर आपके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी, जिसके लिए आप स्वयं जिम्मेदार होंगे।

उत्तरवादी/अनावेदक का नाम व पता इस प्रकार है:-
1. शकिल कुरैशी वल्द स्व. हाजी हनीफ कुरैशी, 2. इशराईल कुरैशी वल्द स्व. हाजी हनीफ कुरैशी, 3. शिराज कुरैशी वल्द स्व. हाजी हनीफ कुरैशी, 4. शाहीन कुरैशी वल्द स्व. हाजी हनीफ कुरैशी, 5. नजमा कुरैशी वल्द स्व. हाजी हनीफ कुरैशी, पता-वार्ड नं. 18 कुरैशी विला, रेलवे स्टेशन के पास सक्ती, तहसील व जिला सक्ती (छ.ग.) 6. अकिल कुरैशी पिता स्व. हनीफ कुरैशी, पता- गौसिया मस्जिद के पास संतोषी नगर रायपुर (छ.ग.) 7. इम्तियाज कुरैशी पिता स्व. हनीफ कुरैशी, पता- वार्ड नं. 62 आसिया आउस के पीछे गली न. 6 सोलानी नगर संजय नगर रायपुर छ.ग. 8. अनीश कुरैशी पिता स्व हनीफ कुरैशी, पता-डा.जाकिर हसन वार्ड नं. 34 अयान मार्ग रोड बाजार तालाब के नजदीक रसूलपुर अम्बिकापुर 9. सलमा खान पिता स्व. हनीफ कुरैशी, पता- एलुन फिरदौशी कोईफिजा कालोनी ओपीएस स्कूल अम्बिकापुर 10. सितारा खान वल्द फिरोज खान, पता मोहन नगर ठाकुर कालोनी दुर्ग 11. सईमा खान वल्द मो. समद खान, 12. शहिला खान वल्द मो. समन खान, 13. शब्बीर खान वल्द मो. समन खान, 14. शब्बार खान वल्द मो.समन खान, सभी निवास केशकाल जिला कोडागांव

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
खरसिया

शब्द पहेली - 6091

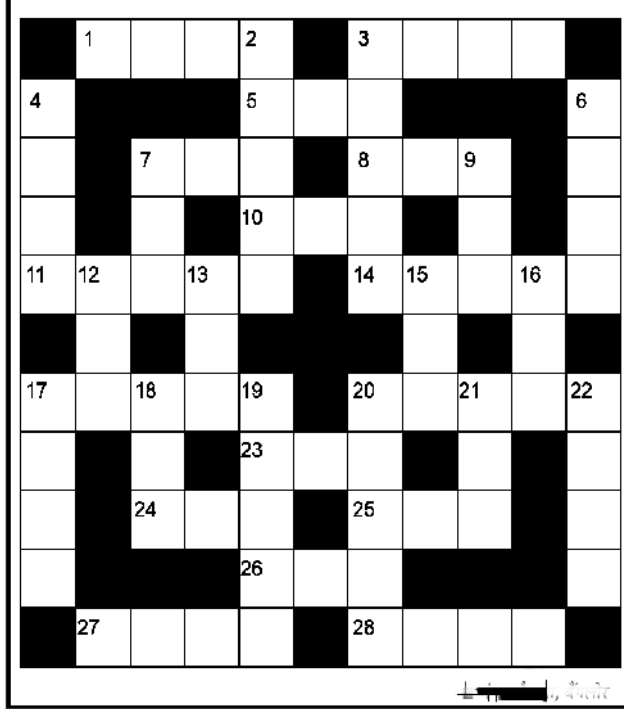

बाएँ से दाए-
1. छुट्टी,रजा-4
3. वध,आघात-4
5. दशानन-3
7. अनमोल,अनूठा-3
8. अनाथ,बेसहारा-3
10. खजूर-3
11. रहम करना-2,3
14. गहराई नापना-2,3
17. लगातार,सतत-5
20. संतुष्ट होना-2,3
23. बीच में,दौरान-3
24. खुश,आनंदित-3
25. शिक्षा-3
26. शोक-3
27. जांचना,परखना-4
28. धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे
2. मयखाना,मधुशाला-5
3. प्रेमकहानी-5
4. चापलूसी-4
6. नटना,वचन तोड़ना-4
7. फिजूल,व्यर्थ-3
9. अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12. गुजर करना-3
13. वेग,गति-3
15. खूबसूरत-3
16. पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17. गुजारिश,मांग-4
18. सुअर-3
19. गुस्सा होना-5
20. ममतापूर्ण-5
22. अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली -6090 का हल

सूडोकु नवताल - 6101

सरल

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6100 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

तरकश

संजय के. दीक्षित

काम बड़े...संदेश छोटे!

लास्ट वीक तरकश में एक प्रश्न था...सरकार के कई रिफार्म के बाद भी संदेश क्यों नहीं जा रहे, इसके जवाब अनेक आए। खैर...नई सरकार के दो साल के हिसाब से कैलकुलेट करें तो अतिश्योक्ति नहीं कि 25 साल में सबसे अधिक काम और रिफार्म दो बरस में हुए हैं। देखते-देखते में नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़...किसी ने कल्पना नहीं की होगी। नई उद्योग नीति के बाद 8000 करोड़ के निवेश। पहली बार पूंजी निवेश की साइज के आधार पर सब्सिडी की बजाए लोकल लोगों को रोजगार के आधार पर सब्सिडी। सूबे में सेमीकंडक्टर और फार्मा जैसी इंडस्ट्रीज आ रही। राजस्व और पंजीयन में ऐतिहासिक सुधार। जमीनों का आटोमेटिक नामंतरण, ऋण पुस्तिका की समाप्ति, गाइडलाइन रेट का युक्तियुक्तकरण। 13 हजार से अधिक स्कूलों और शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण। वर्क कल्चर के लिए ऑनलाइन अटेंडेंस। पारदर्शिता के लिए ई-ऑफिस सिस्टम...सारी फाइलें, नोटशीट अब ऑनलाइन। देश में छत्तीसगढ़ फर्स्ट स्टेट, जहां मंत्रालय और एचओडी ऑफिस में ऑनलाइन वर्किंग। जीएसटी में सबसे अधिक टैक्स। अब आपका सवाल, इतने काम तो फिर आम आदमी में इसके संदेश क्यों नहीं? दरअसल, ओवरऑल गुड परफार्मेंस के लिए काम और रिफार्म के अलावे सिस्टम का औरा भी जरूरी होता है, जो दो साल में बन नहीं पाया। जाहिर है, जनता इस औरे से ज्यादा चमत्कृत होती है। करप्शन का लेवल कम नहीं हुआ। पहले कुछ परसेंट काम बिना पैसे के हो जाते थे, अब मंत्री-मिनिस्टर या बड़े लोगों की सिफारिशों का भी महत्व नहीं रहा। मंत्रिमंडल में सामूहिक उत्तरदायित्व की कमी। कई ऐसे मसले आए, जब मंत्री अपने साथी मंत्री या सरकार के बचाव में सामने आना मुनासिब नहीं समझा। उल्टे गाइडलाइन रेट को लेकर अपने ही सरकार पर हमलावर। शुरूआती बरस में संगठन में बैठे कुछ दिव्य आत्माओं द्वारा ट्रांसफर, पोस्टिंग और नियुक्तियों में सरकार को डेंट। तो बीजेपी के असंतुष्ट नेताओं द्वारा सेल्फ गोल। रुलिंग पार्टी के लोग ही लगेंगे सरकार की चाल में मीन-मेख निकालने तो आम आदमी क्या कहेगा? कुछ बुनियादी चीजें भी। सबसे अधिक हेल्थ की हालत खराब। किसी भी सरकारी अस्पतालों में समूचित दवाइयां नहीं। बच्चों के वैक्सीन के लिए भटकता आम आदमी। दवाइयां खरीदने की बजाए ज्यादा कमाई वाला काम बिल्डिंग निर्माण में दिमाग दौड़ाता सीजीएमएससी। सिस्टम का औरा पुलिस से भी दिखता है। मगर पुलिस बाबाओं के पैर छूने में व्यस्त। वीडियो में दिखा ही, अपराधी को पकड़ने में भले ही कोई हड़बड़ी नहीं, मगर बाबाजी को देखते जूता और टोपी उतारने में देर नहीं। महिला डीएसपी को गिफ्ट में 12 लाख के डायमंड हार मगर सिस्टम गांधीजी के तीन बंदर की तरह। डीएसपी, एडिशनल एसपी के ट्रांसफर की नोटशीट महीनों तक डंप। छह महीने से पुलिस अफसरों के खिलाफ इंक्वायरी की फाइल कहीं दबी पड़ी। ऐसी कई वजहें हैं, जो सरकार के अच्छे कामों का माहौल बनने से रोक दे रहीं। वैसे सीएस विकास शील और पीएस टू सीएम सुबोध सिंह ने चीजों को व्यवस्थित करने का प्रयास किया है। मगर राजनीतिक फैसलों के लिए सिस्टम के पास जरूरी है चाबुक चलाने वाले एक शख्सियत की। क्योंकि, सेल्फ गोल से सरकार की छबि को ज्यादा धक्का लग रहा है। इसी कॉलम में एकाधिक बार लिखा जा चुका है कि रमन सिंह की कामयाबी में सौदान सिंह की बड़ी भूमिका रही।

आईपीएस को विदाई गिफ्ट

2008 बैच के आईपीएस अधिकारियों का अगले महीने जनवरी में आईजी प्रमोशन ड्यू हो जाएगा। मगर डेट ऑफ बर्थ के चक्कर में कमललोचन कश्यप के आईजी बनने पर संकट खड़ा हो गया है। सरकारी रिकार्ड में एक जनवरी उनका बर्थ डेट है। जाहिर है, स्कूल में दाखिला लेते समय एक तारीख का डेट दर्ज कराया गया होगा। बहरहाल, रिटायरमेंट नियमों के तहत एक या दो तारीख को अगर जन्म हुआ है तो उसके पहले महीने के लास्ट डेट को रिटायरमेंट हो जाएगा। लिहाजा, कमललोचन इसी 31 दिसंबर को रिटायर हो जाएंगे। अब सवाल उठता है, राज्य सरकार क्या उन्हें आईजी प्रमोट कर विदाई देगी या डीआईजी से ही उन्हें सेवानिवृत्त होना पड़ेगा। इससे पहले कई दृष्टांत है कि आईएएस, आईपीएस को समय से पहले प्रमोशन दिया गया। रमन सिंह की दूसरी पारी में आईपीएस आरसी पटेल को एडीजी प्रमोशन का आदेश रिटायरमेंट की रात 10 बजे जारी हुआ था। जबकि, उनके बैच के प्रमोशन में तीन-चार महीना बाकी था। आईएएस में जवाहर श्रीवास्तव से लेकर आरएस विश्वकर्मा को सचिव से प्रमुख सचिव भी इसी तरह आखिरी दिन बनाया गया। कमललोचन आदिवासी हैं...धुर नक्सली इलाका दंतेवाड़ा से ताल्लुकात रखते हैं...नक्सलियों के खिलाफ उन्होंने लड़ा भी है। छत्तीसगढ आदिवासी राज्य है और मुखिया विष्णुदेव साय भी आदिवासी हैं तो फिर कमललोचन के प्रमोशन को लेकर लोगों की उत्सुकता स्वाभाविक है...सरकार क्या कमललोचन को रिटायमेंट गिफ्ट देगी? पीएचक्यू ने भले ही प्रस्ताव भेजने में लेट किया मगर सरकार के लिए कुछ असंभव नहीं होता। तत्कालीन सीएस सुनिल कुमार फरवरी 2013 में जाते-जाते एएन उपध्याय को 29 साल की सर्विस में डीजी बनवा डाले थे।

खुफिया चीफ और माफी

छत्तीसगढ़ में पोलिसिंग की स्थिति कैसी है, इस घटना से आप अंदाजा लगा सकते हैं। हाल की बात है...राजधानी रायपुर के बीयर-बारों के बाउंसरों के उत्पातों को रोकने एडीजी इंटेलिजेंस अमित कुमार ने एसएसपी लाल उमेद सिंह से कार्रवाई करने कहा। खुफिया चीफ का आदेश था, इसलिए एसएसपी ने फोर्स भेजकर दर्जन भर से अधिक शिकायती बारों के बाउंसरों को लाकर थाने में बिठा लिया। मगर इसमें से आधे बाउंसरों को पुलिस महकमे के सीनियर अफसरों ने फोन कर छुड़वा लिया। वो इसलिए क्योंकि वीआईपी रोड के कई बीयर-बारों में उनका पैसा लगा है। कुछ के लिए नेताओं ने फोन किया और कुछ को कोर्ट में पेश होते ही जमानत मिल गई। याने पकड़ कर लाने के बाद भी एक भी बाउंसरों को पुलिस जेल नहीं भेज पाई। जाहिर है, इससे पुलिस डिमरलाइज होगी ही। बताते हैं, एसएसपी इस पूरे एपिसोड से बहुत दुखी हुए। उन्होंने अमित कुमार को बताया। अमित बोले...सॉरी लाल उमेद, अब आगे से इस तरह के मामलों में कार्रवाई करने नहीं कहूंगा।

न्यू ईयर गिफ्ट

जनवरी में 2001 बैच की आईएएस शहला निगार प्रमुख सचिव प्रमोट हो जाएंगी तो 2010 बैच के आईएएस जेपी मौर्या, कार्तिकेय गोयल, सारांश मित्तर, रमेश शर्मा और धर्मेंद्र साहू सिकेट्री बनेंगे। रानू साहू सस्पेंड हैं, इसलिए उनका प्रमोशन नहीं होगा। हालांकि, सरकार चाहे तो प्रमुख सचिव सुबोध सिंह और निहारिका बारिक को ड्यू टाईम से एक साल पहले प्रमोट कर एसीएस बना सकती है। एसीएस के छह पद हैं और इस समय मुख्य सचिव को मिलाकर तीन ही अफसर हैं। उसमें भी मनोज पिंगुआ फरवरी-मार्च तक दिल्ली चले जाएंगे और ऋचा शर्मा का भी कोई भरोसा नहीं, कब तक यहां हैं। कहीं दोनों दिल्ली चले गए तो एसीएस की संख्या जीरो हो जाएगी, यह एक अजीब स्थिति होगी। वैसे टाईम से पहले प्रमोशन पहले भी मिलता रहा है। पिछली सरकार में रेणु पिल्ले को समय से छह महीने और सुब्रत साहू को डेढ़ साल पहले एसीएस बनाया गया। रमन सिंह सरकार में सीके खेतान और आरपी मंडल छह महीने पहले सचिव से प्रमुख सचिव बनाए गए थे। सरकार चाहे तो 2002 बैच के आईएएस डॉ0 रोहित यादव और डॉ0 कमलप्रीत सिंह को भी सचिव से प्रमुख सचिव प्रमोट कर सकती है। क्योंकि, प्रमुख सचिव में भी काफी वैकेंसी है। इस समय तीन ही प्रमुख सचिव हैं। सुबोध, निहारिका और सोनमणि बोरा। इसमें भी सुबोध को काउंट नहीं। वे सीएम सचिवालय के हेड हैं। विभागीय पीएस की दृष्टि से देखें तो दो ही प्रिंसिपल सिकेट्री हुए। सचिवों की फौज भी काफी बड़ी हो गई है। लिहाजा रोहित और कमलप्रीत को प्रमुख सचिव बनाने में कोई दिक्कत नहीं होगी। दोनों का ड्यू टाईम जनवरी 2027 है।

प्रमोशन में खटका

ऑल इंडिया कैडर के आईएएस, आईपीएस और आईएफएस सर्विस में कुछ सालों से सबसे स्लो पुलिस मुख्यालय है, जिसने अपने ही अफसरों के प्रमोशन की फाइल इस बार भी सबसे लेट सरकार को भेजा। अब अनुमति के लिए कब दिल्ली जाएगा और कब डीपीसी होगी कोई भरोसा नहीं। बहरहाल, 2001 बैच एडीजी, 2008 बैच आईजी, 2012 बैच डीआईजी और 2013 बैच सलेक्शन ग्रेड याने एसएसपी बनेगा। 2001 बैच में डॉ0 आनंद छाबड़ा का सिंगल नाम है। वहीं, आईजी बनने वाले 2008 बैच में पारुल माथुर, प्रशांत अग्रवाल, नीतू कमल, डी0 श्रवण और मिलना कुर्रे हैं। इनमें पारुल माथुर को चार्जशीट इश्यू हो गया है। एक और किसी के खिलाफ जांच प्रक्रियाधीन है। नीतू कमल और डी0 श्रवण डेपुटेशन पर हैं। ऐसे में, इस बार आईजी कौन बन पाएगा, ये सरकार ही बता पाएगी। उधर, 2012 बैच के सात आईपीएस डीआईजी प्रमोट होंगे। इनमें आशुतोष सिंह, विवेक शुक्ला, रजनेश सिंह, शशिमोहन सिंह, राजेश कुकरेजा, राजेश अग्रवाल, विजय अग्रवाल और रामकृष्ण साहू शामिल हैं। आशुतोश सीबीआई में चले गए हैं। इसके अलावा 2013 बैच के चार आईपीएस को सलेक्शन ग्रेड मिलेगा। सलेक्शन ग्रेड मिलने के बाद जिलों में पोस्टेड एसपी का पदनाम बदलकर एसएसपी हो जाएगा। इन चार में जितेंद्र शुक्ला, मोहित गर्ग, अभिषेक पल्लव और भोजराम पटेल हैं। भोजराम इस समय मुंगेली के एसपी है।

रिफार्म

रायपुर में पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू किया जा रहा है। पुलिस में रिफार्म की दिशा में सरकार की एक अच्छी पहल है। मगर मध्यप्रदेश की तरह एक और प्रयोग किया जा सकता है। एमपी के थानों के प्रधान आरक्षकों को विवेचना का पावर दिया गया है। चूकि एएसआई, एसआई और थानेदारों के पास काम का बोझ ज्यादा रहता है इसलिए कम-से-कम छोटे लूट, जेबकटी और 151 जैसे मामलों की विवेचना हेड कांस्टेबल कर ही सकते हैं। इससे फायदा यह होगा कि थानों में केसेज लंबित नहीं रहेंगे। फिर थाने के बड़े अफसर बड़े मामलों की विवेचना में अपना फोकस कर सकेंगे।

कमिश्नर ऑफिस में पुलिस

रायपुर में एक जनवरी से पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू होगा या आगे टलेगा, यह 31 दिसंबर के कैबिनेट में तय हो जाएगा। वैसे यह लगभग तय हो चुका है कि नया कमिश्नरेट बिल्डिंग बनने तक डिविजनल कमिश्नर ऑफिस में पुलिस कमिश्नर बैठेंगे। डिविजनल कमिश्नर महादेव कांवड़े नए भवन में शिफ्ट हो गए हैं। सो, कमिश्नर ऑफिस खाली है। उसमें पुलिस अधीक्षक कार्यालय जाने वाला था। मगर जब पुलिस अधीक्षक सिस्टम खतम हो जाएगा तो फिर उस ऑफिस का औचित्य नहीं। ऐसे में, सरकार डिविजनल कमिश्नर कार्यालय में पुलिस कमिश्नर को बिठाने पर विचार कर रही है।

पुलिस में बड़ी उलटफेर

रायपुर में पुलिस कमिश्नर सिस्टम को देखते पुलिस महकमे में बड़े बदलाव का अंदेशा है। पुलिस कमिश्नरेट के बाद रायपुर ग्रामीण नाम से नया पुलिस रेंज बनेगा। इसका मुख्यालय महासमुंद होगा या रायपुर से कार्य संचालित होगा, इस बारे में अभी कोई खुलासा नहीं हुआ है। मगर उसके लिए एक अलग आईजी की पोस्टिंग करनी होगी। रायपुर कमिश्नरेट में कम-से-कम तीन आईपीएस की पोस्टिंग की जाएगी। पुलिस कमिश्नर के बाद सबसे अधिक उत्सुकता एडिशनल पुलिस कमिश्नर को लेकर है। किसी जिले के एसएसपी को इस पद पर बिठाया जाएगा। वो रायपुर, जशपुर, बिलासपुर और दुर्ग एसएसपी में से कोई भी हो सकता है।

बदनाम निगम

2009 बैच की आईएएस प्रियंका शुक्ला सेंट्रल डेपुटेशन पर दिल्ली जा रही हैं। उन्हें मेरा युवा भारत का सीईओ बनाया गया है। उनकी जगह सरकार को समग्र शिक्षा और पाठ्य पुस्तक निगम में एमडी नियुक्त करना होगा। सरकार को पाठ्य पुस्तक निगम को बदनामी से उबारने का प्रयास करना चाहिए। कायदे से वहां ढांचागत बदलाव की जरूरत है। एमडी से अधिक वहां जीएम पावरफुल हो जाते हैं। एमडी का काम सिर्फ कमीशन लेकर चुप बैठना होता है। बाकी काम जीएम संभालते हैं। पापुनि में कागज का टेंडर अलग, प्रिंटिंग का अलग, उसे स्कूलों तक पहुंचाने का अलग टेंडर होता है। जबकि, बाकी राज्यों में सारे कामों का टेंडर एक साथ हो रहा है। मगर अलग-अलग कामों का अलग-अलग टेंडर करने से कमीशन ज्यादा मिलता है। भले ही स्कूलों में टाईम पर किताबें न पहुंच पाए। इस साल दिसंबर बीतने को है, ढेरों स्कूलों में अभी तक किताबें नहीं पहुंची हैं।

कलेक्टरों की वैकेंसी

हाल में राज्य सरकार ने आधा दर्जन जिलों के कलेक्टर बदले। इसके बाद एक लिस्ट और निकल सकती है। दरअसल, दो जिलों के कलेक्टरों को राज्य सरकार ने सेंट्रल डेपुटेशन के लिए एनओसी दे दिया है। जनवरी में हो सकता है भारत सरकार में उनकी पोस्टिंग हो जाए। ऐसे में कलेक्टर पोस्टिंग की एक और लिस्ट निकलेगी। कलेक्टर के दावेदारों के लिए ये गुड न्यूज है...नए साल में जिला मिलेगा।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. क्या ये सही है कि पाठ्य पुस्तक निगम की छपने वाली किताबों के पन्नों का वेट 70 जीएसएम से बढ़ाकर 80 जीएसएम किया गया है ताकि बिलिंग ज्यादा हो सके?
2. कांग्रेस में प्रियंका गांधी के स्ट्रांग होने से छत्तीसगढ़ कांग्रेस की राजनीति में भूपेश बघेल और मजबूत होंगे?

भाजयुमो की प्रदेश कार्यकारिणी से बाहर होंगे ओवरएज

रायपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी में आधा दर्जन से ज्यादा पदाधिकारी ओवरएज बनाए गए हैं। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने किसी भी हाल में अंडर 35 को ही पदाधिकारी बनाने का फरमान जारी किया है, इसके बाद भी ओवरएज को पदाधिकारी बना दिया गया है। ओवरएज पदाधिकारियों के बारे में बताया जा रहा है कि ये उम्र का गलत दस्तावेज देकर पदाधिकारी बन गए हैं।

पवन साय को बंगाल चुनाव में 56 विधानसभाओं की जिम्मेदारी, बना रहे जीत की रणनीति

चौथी बार बंगाल के दौरे पर हैं प्रदेश के संगठन महामंत्री

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय को बंगाल चुनाव के लिए 56 विधानसभाओं के एक जोन की जिम्मेदारी दी गई है। वे चौथी बार वहां के दौरे पर गए हैं और विधानसभाओं की बैठक लेकर वहां पर जीत की रणनीति बना रहे हैं। बंगाल में अलग-अलग जोन बनाकर करीब आधा दर्जन राज्यों के संगठन महामंत्रियों को जिम्मेदारी दी गई है।

बिहार चुनाव में ऐतिहासिक जीत के बाद अब भाजपा के राष्ट्रीय संगठन का बड़ा फोकस बंगाल चुनाव पर है। अगले साल मार्च-अप्रैल में वहां पर चुनाव संभावित है। भाजपा ने अभी से इसको लेकर तैयारी प्रारंभ कर दी है। वैसे भी भाजपा हमेशा से किसी भी राज्य में चुनाव से काफी पहले तैयारी प्रारंभ कर देती है। बिहार चुनाव में भी भाजपा ने काफी पहले से तैयारी की थी। प्रदेश के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल को वहां पर 50 विधानसभाओं की जिम्मेदारी दी गई थी। श्री जामवाल बिहार में चार माह तक रहे और अपनी जिम्मेदारी वाली विधानसभाओं में लगातार बैठकें लेकर रणनीति बनाने का काम किया। इसका परिणाम यह रहा कि 50 सीटों में से 25 सीटों में भाजपा के प्रत्याशी मैदान में उतारे गए तो इसमें से 23 सीटों में भाजपा के प्रत्याशियों को जीत मिली।

अब पवन पर भरोसा

भाजपा का राष्ट्रीय संगठन लगातार प्रदेश के नेताओं पर भरोसा कर रहा है। बिहार चुनाव में प्रदेश के जिन भी नेताओं को वहां पर विधानसभाओं की जिम्मेदारी दी गई थी, उन सभी में भाजपा के प्रत्याशी जीते। अब राष्ट्रीय संगठन प्रदेश के नेताओं को बंगाल की भी जिम्मेदारी देगा। पहले चरण में प्रदेश के संगठन महामंत्री पवन साय को वहां पर एक जोन की 56 विधानसभाओं का जिम्मा देकर अभी से रणनीति बनाने का काम दिया है। श्री साय लगातार बंगाल का दौरा कर रहे हैं। एक बार फिर से वे बंगाल के दौरे पर गए हैं। वहां पर वे इस बार के दौरे में लगातार विधानसभाओं में बैठकें लेकर वहां पर भाजपा की स्थिति जान रहे हैं और उसके हिसाब से वहां पर जीत की रणनीति बनाई जा रही है।

रायपुर। विधानसभा थाना क्षेत्र में एक सप्ताह पूर्व युवक की हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। युवक की हत्या के आरोप में पुलिस ने एक हिस्ट्रीशीटर सहित दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

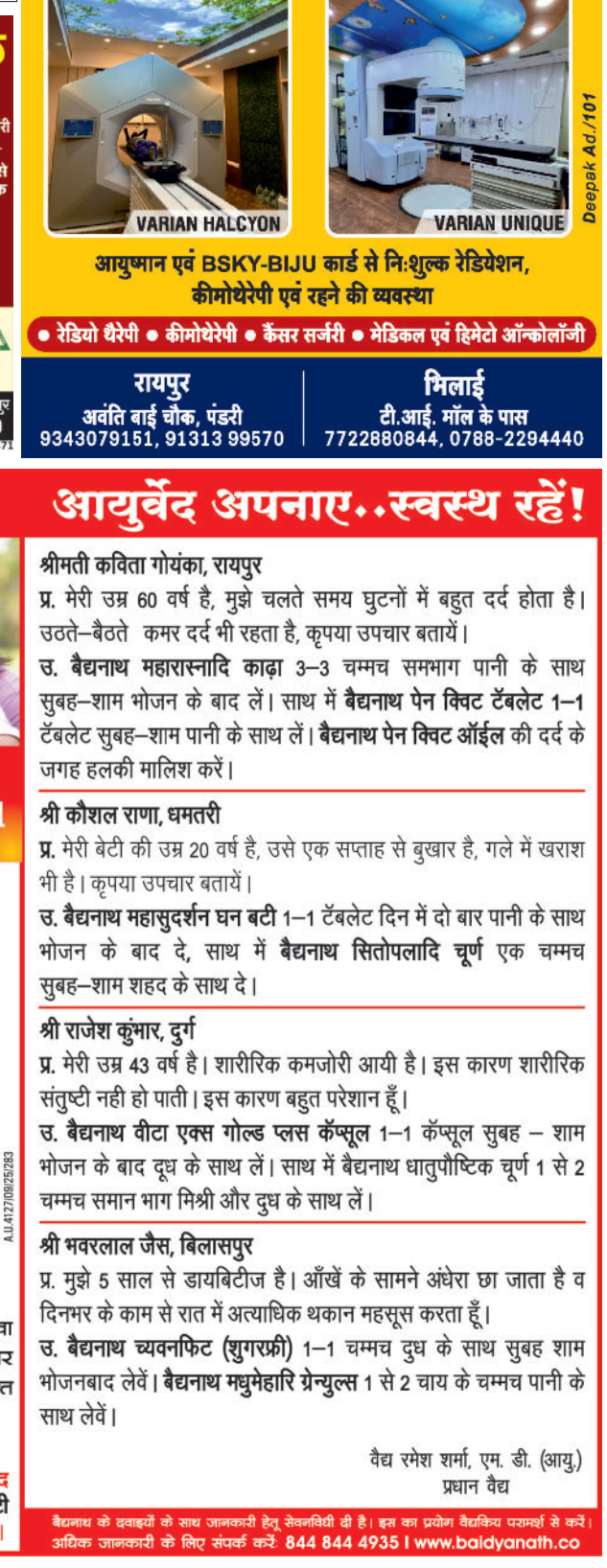

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com